राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 365
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 16 जुलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट
पेज 3 दिल्ली के व्यापारियों को बर्बाद करने की तैयारी में भाजपा शासित एमसीडी, ट्रेड व स्टोरेज लाइसेंस फीस में की कई हजार की बढ़ोतरी
पेज 5 वाराणसी में डबल मर्डर: हथौड़ी से मारकर हुई मां-बेटी की हत्या, खुद पुलिस कमिश्नर जांच के लिए पहुंचे
पेज 7 इमरान खान के खिलाफ चलेगा देशद्रोह? शहबाज कैबिनेट ने कमेटी के गठन को दी मंजूरी

दिल्ली में गोदाम की दीवार गिरने से 5 की मौत

मलबे में कई मजदूर फंसे होने की आशंका; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर इलाके में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन गोदाम की दीवार गिर गई। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, मलबे में कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि अब तक 9 लोगों को मलबे से निकाला गया है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 2 की हालत

गंभीर बताई जा रही है। मलबे में करीब 25 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

बताया जा रहा है कि दोपहर 12.30 बजे यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार ईंट की दीवार गिरने से मलबे को हटाने में दिक्कत आ रही थी। ऐसे में जेसीबी मशीन को काम पर लगाया गया।

केजरीवाल ने हादसे पर जताया दुख

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने हादसे के बाद ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, अलीपुर में दुखद हादसा हुआ। जिला प्रशासन राहत और बचाव के काम में जुटा हुआ है। मैं स्वयं राहत कार्य पर नजर रखे हुए हूं। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

कनॉट प्लेस में एक रेस्टोरेंट में आग

इससे पहले शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे के करीब दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

25 राज्यों में भारी बारिश

महाराष्ट्र में 99 और गुजरात में 95 लोगों की मौत

अन्य राज्यों के हाल

तेलंगाना में भी भारी बारिश के चलते राज्य के भद्राद्री-कोठागुडेम और अन्य जिलों के कई इलाकों में पानी भर गया। राज्य में 20,000 से अधिक लोगों को राहत शिविरों में भेजा गया। हरियाणा के सोनीपत में एक बाजार में गुरुवार को आंधी और भारी बारिश के कारण दो शेड गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए।

नई दिल्ली। देश में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, हिमाचल और जम्मू सहित देश के 25 के राज्यों में भारी बारिश जारी है। महाराष्ट्र में बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से अब तक 99 और गुजरात में 95 लोगों की मौत हो चुकी है।

तेलंगाना के वारंगल, पेडापल्लीकई और भद्राद्री-कोठागुडेम जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 20 हजार लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जगह ले जाया गया है।

महाराष्ट्र के पालघर की मुख्य नदियां वैतरणा, तानसा खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुंबई को पानी देने वाली तानसा झील भारी बारिश के बाद ओवरफ्लो होने लगी। महाराष्ट्र में गुरुवार को 4 लोगों की मौत हो गई।

गुजरात के कई जिलों में गुरुवार को भारी बारिश हुई। अहमदाबाद में कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते कई इलाकों में पानी भर गया।

महाराष्ट्र : चंद्रपुर में बाढ़ से 900 लोगों को रेस्क्यू किया गया

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। यहां इरई बांध का पानी कई घरों में घुस गया। यहां से भी 900 लोगों को रेस्क्यू किया गया। ठाणे, पालघर और नवी मुंबई के सभी स्कूल गुरुवार को बंद रखे गए हैं। लातूर जिले में बारिश और बाढ़ की आशंका को देखते हुए सभी स्कूलों में 15 और 16 जुलाई तक छुट्टी दी गई है।

मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में गुरुवार को भारी बारिश हुई। महाराष्ट्र के बीड में अब तक 50 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। गुरुवार को यहां 38 मिमी बारिश हुई। यहां मंजारा बांध में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। लातूर में पिछले 24 घंटे में औसत 56.5 मिमी बारिश हुई।

गुजरात : दक्षिण गुजरात में बाढ़ के हालात, 8 जिलों में रेड अलर्ट

बारिश की वजह से राज्य में पिछले 24 घंटे में 12 और लोगों की मौत हो गई है। गुरुवार सुबह से शुरू हुई तेज बारिश के चलते अहमदाबाद के श्रीनंदनगर इलाके की बैंक में पानी भर गया। अहमदाबाद के वेजलपुर और श्रीनंद नगर की सड़कें पूरी तरह से डूब चुकी हैं। शहर के उस्मानपुरा, वडज, आश्रम रोड, इनकम टैक्स, साबरमती, चांदखेड़ा, मोटेरा, चांदलोदिया, निरन्यानगर, रानिप इलाकों में दो इंच बारिश हुई।

गुजरात में इस सीजन की औसतन 50 प्रतिशत बारिश हो गई है। कच्छ में औसत के मुकाबले 98 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 52 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 65 प्रतिशत, मध्य गुजरात में 28 प्रतिशत बारिश हुई है। पिछले 50 साल में 7 बार जुलाई में 16 इंच से अधिक बारिश हुई है। इस साल जुलाई के 14 दिनों में ही 16 इंच बारिश हो गई है।

जम्मू-कश्मीर में सेना के जवान ने साथियों पर फायरिंग की : 2 की मौत, 2 घायल, गोलीबारी करने वाले सिपाही ने खुद को गोली मारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक जवान ने अपने 4 साथियों पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से घायल 2 जवानों की मौत हो चुकी है, जबकि 2 अन्य जवान घायल हैं। इनमें एक जवान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। वहीं, एक की मौत इलाज के दौरान हुई है। घटना पुंछ के सुरानकोटे इलाके में स्थित 156 प्रादेशिक सेना बटालियन में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुई।

सभी घायलों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर आर्मी अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जहां एक जवान ने दम तोड़ दिया। बाद में गोलीबारी करने वाले जवान

ने अपने पेट में गोली मार ली थी। हालांकि हमला करने वाले जवान बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

आर्मी की ओर से बयान का इंतजार

आर्मी ने भी इस मामले में अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। एक सीनियर आर्मी अफसर ने घटना की पुष्टि की है और बताया है कि पीड़ित टेरिटोरियल आर्मी के हैं।

द राइजिंग कश्मीर की रिपोर्ट के मुताबिक, सिपाही इबरार अहमद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 घायलों में सिपाही माकन सिंह, नायक खलील अहमद और नायक इम्तियाज अहमद शामिल हैं।

दिल्ली-मुंबई में कारोबारी समूह के 18 ठिकानों पर आयकर के छापे

करोड़ों के गहने जब्त, विदेशों में ब्लैक मनी का खुलासा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि आयकर विभाग ने आतिथ्य, संगमरमर, लाइट्स ट्रेडिंग और रियल एस्टेट व्यवसायों में लगे दिल्ली और मुंबई स्थित एक व्यापारिक समूह के विभिन्न ठिकानों पर छापे मारे हैं। आयकर विभाग ने 7 जुलाई 2022 को एक तलाशी और जब्ती अभियान चलाया था। छापेमारी के दौरान दिल्ली, मुंबई और दमन में कुल 18 परिसरों को कवर किया गया।

तलाशी अभियान के दौरान, हार्ड कॉपी दस्तावेजों और डिजिटल डेटा के रूप में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सबूत मिले और जब्त किए गए। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस सबूत से संकेत मिलता है कि समूह ने अपना अघोषित पैसा कुछ कम कर क्षेत्राधिकारों में विदेशों में रखा है।

मलेशिया स्थित कंपनियों के वेब के माध्यम से समूह ने अंतत: भारत में अपने आतिथ्य व्यवसाय में धन का निवेश किया है। ऐसा अनुमान है कि इस तरह के फंड की मात्रा 40 करोड़ रुपये से अधिक है।

एकत्र किए गए साक्ष्य इशारा करते हैं कि समूह ने विदेशों में कुछ कंपनियों में

निवेश किया है, जिन्हें विशेष रूप से कमोडिटी ट्रेडिंग के लिए शामिल किया गया है। ऐसी एक कंपनी की कुल संपत्ति जिसमें उसके अर्जित लाभ भी शामिल है, समूह द्वारा अपने आईटीआर में प्रासंगिक अवधि के लिए प्रकट नहीं किया गया है।

इसके अलावा, यह पता चला है कि समूह के प्रमोटर ने एक विदेशी क्षेत्राधिकार में अचल संपत्ति में निवेश किया है, जिसका खुलासा उसके आयकर रिटर्न में भी नहीं किया गया है। इनके अलावा, कमोडिटी ट्रेडिंग के लिए स्थापित कुछ अपतटीय संस्थाओं की पहचान की गई है, जिन्हें घोषित नहीं किया गया है। तलाशी कार्रवाई से यह भी पता चला कि यह समूह अपने भारतीय परिचालनों में आउट-ऑफ-बुक नकद बिक्री में शामिल था। इसके मार्बल और लाइट्स के व्यापारिक व्यवसाय में, जब्त किए गए साक्ष्य कुल बिक्री के 50 से 70 प्रतिशत तक की बेहिसाब नकद बिक्री का संकेत मिलते हैं। 30 करोड़ रुपये का अघोषित अतिरिक्त स्टॉक भी मिला है।

मंत्रालय ने कहा ने कहा कि इसके आतिथ्य व्यवसाय में, विशेष रूप से बैंक्वेट डिवीजन में बेहिसाब बिक्री का पता चला है। अब तक ढाई करोड़ रुपये मूल्य के अघोषित आभूषण जब्त किए जा चुके हैं। आगे की जांच जारी है।

गृह मंत्रालय की वेबसाइट को पहला स्थान

नयी दिल्ली। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा जारी राष्ट्रीय ई गवर्नेंस सेवा वितरण मूल्यांकन में केन्द्रीय मंत्रालयों के पोर्टल में गृह मंत्रालय की वेबसाइट को पहला स्थान जबकि केंद्रीय मंत्रालय सेवाओं के पोर्टल में डिजिटल पुलिस पोर्टल को दूसरा स्थान मिला है।

इस प्रक्रिया में, सेवा पोर्टलों का मूल्यांकन उनके मूल मंत्रालय अथवा विभाग के पोर्टल के साथ किया गया था। गृह मंत्रालय के संबंध में, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के डिजिटल पुलिस पोर्टल को सेवा पोर्टल के तहत

मूल्यांकन के लिए चुना गया था। इसके बाद, गृह मंत्रालय की मुख्य वेबसाइट को मूल्यांकन के लिए मूल मंत्रालय पोर्टल के रूप में चुना गया।

सभी सरकारी पोर्टल का मूल्यांकन दो मुख्य श्रेणियों में किया गया था जिनमें पहली श्रेणी में राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश तथा केन्द्रीय मंत्रालय पोर्टल और दूसरी श्रेणी में राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश तथा केन्द्रीय मंत्रालय सेवाओं के पोर्टल को शामिल किया गया था। इनका मूल्यांकन चार मापदंडों पहुंच, सामग्री उपलब्धता, उपयोग में आसानी और सूचना की सुरक्षा तथा केंद्रीय मंत्रालय के पोर्टलों के लिए गोपनीयता के आधार पर किया गया था।

केंद्रीय मंत्रालय सेवा पोर्टलों के लिए तीन अतिरिक्त मापदंडों अंतिम सेवा वितरण, एकीकृत सेवा वितरण और स्थिति व अनुरोध ट्रैकिंग को भी आधार बनाया गया था।

देश में कोरोना के नये मामले 20 हजार के पार, 199.47 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के पिछले 24 घंटों में 20,038 नये मामले सामने आये हैं। जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,37,10,027 हो गयी है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के तहत 11,15,068 टीके लगाये गये। जिससे अब तक 199 करोड़ 47 लाख 34 हजार 994 टीके लगाये जा चुके हैं।

इसी अवधि में 16,994 मरीजों के स्वस्थ होने पर संक्रमण मुक्त होने वालों की संख्या कुल 4,30,45,350 हो गयी। पिछले 24 घंटे में कोरोना से 47 मौतें भी हुई हैं, जिसके साथ कुल मरने

वालों का आंकड़ा 5,25,604 तक पहुंच गया है।

देश में इस वक्त सक्रिय मामले 1,39,073 है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 2,997 का इजाफा हुआ है। इसी दौरान देश में 4,50,820 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 4 लाख 50 हजार 820 कोविड परीक्षण किए गये हैं और इसी के साथ अब तक कुल 86 करोड़ 86 लाख 15 हजार 168 कोविड परीक्षण किये जा चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों की संख्या 1,360 बढ़कर 28,856 हो गयी है तथा 1,664 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 20,12,177 तक पहुंच गया है तथा मृतकों का आंकड़ा 21,260 है।

केरल में कोरोना वायरस के 583 मामले घटकर 25,868 रह गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 3,800 बढ़कर 65,88,480 हो गयी है, इसी दौरान 20 मरीजों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या 70,206 हो गयी है।

भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरू देश का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय

नयी दिल्ली। बेंगलुरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान देश का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है जबकि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय को दूसरा तथा जामिया मिलिया विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान मिला है। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शुक्रवार को यहां इस वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क जारी करते हुए यह जानकारी दी। यह पहला मौका है जब जामिया विश्वविद्यालय को शीर्ष तीन विश्वविद्यालयों में जगह मिली है। रैंकिंग में दिल्ली विश्वविद्यालय को 13 वां स्थान मिला है। ओवरऑल रैंकिंग में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास ने लगातार चौथे वर्ष पहला स्थान हासिल किया है जबकि भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरू दूसरे तथा आईआईटी मुंबई तीसरे स्थान पर है।

दिल्ली में जाफराबाद इलाके के घर से मिले 4 शव

कारोबारी ने पत्नी और 2 बेटियों की हत्या के बाद की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जाफराबाद इलाके के एक घर में चार शव मिलने का मामला सामने आया है। मृतकों में पति-पत्नी और 2 नाबालिग बच्चियां शामिल हैं। कथित तौर पर सभी को गोली लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि पति इसरार अहमद ने पत्नी और दोनों बच्चियों को गोली मारी और उसके बाद खुद को भी गोली मार ली।

पुलिस की मानें तो इसरार का जींस

पैंट बनाने का काम था, जिसमें उसे काफी घाटा हुआ था। हैरानी की बात यह है कि व्यापारी के दो बेटे भी घर के बाहर मौजूद थे, उन्हें व्यापारी ने कुछ नहीं किया।

डीसीपी (नॉर्थ-ईस्ट) संजय कुमार सेन ने बताया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में एक 40 वर्षीय व्यवसायी ने पहले अपनी पत्नी और दो बेटियों की हत्या की और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। इन्होंने व्यवसाय में घाटे के कारण 3-4 महीने पहले भी आत्महत्या की कोशिश की थी।

पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि इसरार ने इस वारदात को अंजाम देने से पहले अपनी पत्नी और दोनों नाबालिग बेटियों को कुछ नशीली चीज खिला दी थी और फिर उनकी हत्या के बाद खुद को भी गोली मार ली। पुलिस को इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक कमरे में चारों के शव मिले हैं।

इसरार के परिवार में 4 और 13 साल के दो बेटे बचे हैं। जिस बिल्डिंग में यह वारदात हुई उसमें कारोबारी के माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी रह रहे हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि इसरार का मुंबई में जींस का कारोबार है और उसे इसमें भारी नुकसान हो रहा था। आगे की जांच जारी है।

इंटरनेट सर्विस

20 लाख गरीब परिवारों, 30 हजार सरकारी दफ्तरों को फ्री इंटरनेट मिलेगा

केरल देश का पहला राज्य जिसकी खुद की इंटरनेट सर्विस

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल पहले से ही कई श्रेत्रों में नंबर वन है। इस बीच राज्य ने इंटरनेट के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल कर ली है। केरल देश का पहला और इकलौता ऐसा राज्य बन चुका है, जिसके पास खुद की इंटरनेट सेवाएं हैं।

यह जानकारी खुद सीएम पी विजयन ने दी। सीएम के मुताबिक केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क लिमिटिड को टेलीकॉम डिपार्टमेंट से इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर लाइसेंस मिल गया है। उन्होंने कहा- अब हमारी प्रतिष्ठित KFON परियोजना

इंटरनेट को एक फंडामेंटल राइट्स के रूप में देने के अपने ऑपरेशन को शुरू कर सकती है। सीएम विजयन ने इस योजना के तहत पूरे राज्य में इंटरनेट का जाल फैलाने की तरफ भी इशारा किया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क लिमिटेड सरकार की एक महत्वाकांक्षी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर योजना है।

जिसके तहत राज्य के कोने-कोने में हर एक शख्स तक इंटरनेट की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस योजना के तहत राज्य के हर गांव और कस्बे तक इंटरनेट की पहुंच संभव हो पाएगी। बता दें कि पिछली केरल सरकार ने 2019 मे KFON परियोजना को मंजूरी दी थी, जिसकी लागत 1,548 करोड़ रुपए रखी गई थी।

20 लाख बीपीएल परिवारों को मिलेगा फ्री इंटरनेट

इस परियोजना से 20 लाख बीपीएल परिवारों को फ्री इंटरनेट कनेक्शन दिया जाएगा। इसके अलावा राज्य के 30 हजार से ज्यादा सरकारी ऑफिस और स्कूलों को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा। इंटरनेट योजना से ट्रांसपोर्ट, मैनेजमेंट और आईटी सेक्टर में भी उछाल आएगा। केरल सरकार के मुताबिक इंटरनेट का इस्तेमाल संविधान के राइट टू एजुकेशन और राइट टू प्राइवेसी का हिस्सा है।

रुपए में रिकॉर्ड गिरावट को लेकर भड़के राहुल प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने डॉलर के मुकाबले रुपए में रिकॉर्ड गिरावट को लेकर सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रुपए की दर में गिरावट को लेकर पहले जितना शोर मचाते थे आज उतना ही मौन है।

गांधी और श्रीमती वाड्रा ने कहा कि रुपया डॉलर की तुलना में लगातार गिर कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है और सरकार की कोई नीति नहीं है इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए कदम नही उठा रही है। गांधी ने कहा , देश

निराशा की गर्त में डूबा है, ये आपके ही शब्द हैं ना, प्रधानमंत्री जी। उस वक़्त आप जितना शोर मचाते थे, आज रूपए की कीमत तेज़ी से गिरती देखकर उतने ही मौन हैं। अबकी बार 80 पार।

वाड्रा ने कहा , डॉलर के मुकाबले रुपया गिर रहा है। रोजगार घट रहे हैं। देश के लोगों की आमदनी घट रही है। लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय में उन शब्दों, कार्यक्रमों तथा तरीकों की लिस्ट बढ़ती जा रही है जिनके जरिए आप इस पर सवाल पूछ सकते हैं या इसके खिलाफ विरोध जता सकते है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रुपया जिस तेजी से गिर रहा है उससे लगता है कि यह भी बहुत जल्द पेट्रोल की तरह शतक की तैयारी में है। मोदी सरकार ने रुपए को सबसे कमजोर स्तर पर ला दिया है और इसमें ऐतिहासिक गिरावट इस सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आयी है।

शार्ट न्यूज

बीड़ी विक्रेता ने 2 रुपये के सिक्कों से खरीद ली 1.8 लाख की बाइक

कोलकाता। सुब्रत सरकार नाम के बीड़ी व्यापारी ने दो रुपये के सिक्कों से 1.8 लाख रुपये की बाइक खरीद ली। दरअसल जब सरकार ने नोटबंदी की घोषणा की थी तभी से उन्होंने दो रुपये के सिक्के जमा करने शुरू कर दिए थे। 6 साल में उनके पास दो बोरे भर गए। सरकार ने कहा, जब नोटबंदी का ऐलान हुआ था तो मार्केट में नकदी की कमी हो गई थी। उस वक्त लोगों के पास सिक्के ज्यादा थे और लोग सिक्के से ही भुगतान किया करते थे। लोग उस वक्त पॉलीथीन में या फिर जेब में भरकर सिक्के लाया करते थे। इसी के बाद मैंने सिक्के जमा करने का फैसला कर लिया। 46 साल के सुब्रत सरकार पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के भीमपुर के रहने वाले हैं। सुब्रत एक छोटे बीड़ी विक्रेता हैं। वह खुद बीड़ी बनाते हैं और स्थानीय दुकानों पर सप्लाई करते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं एक दिन बाइक शोरूम के पास से गुजर रहा था तभी मेरे दिमाग में आया कि क्यों न मैं बाइक खरीद लूं। वापस लौटकर उन्होंने यह बात अपने 17 साल के बेटे से बताई। उन्होंने पैसे गिनने के बाद शोरूम में संपर्क किया और पूछा कि क्या वे सिक्कों में पेमेंट स्वीकार करेंगे। शोरूम की तरफ से भी हां हो गई। इसके बाद परिवार ने कई बैग में 10-10 हजार रुपये के सिक्के भरे। दो बोरे लादे और ई रिक्शा से शोरूम के लिए रवाना हो गए। शोरूम के कर्मचारियों को सिक्के गिनने में तीन दिन लग गए। शोरूम के मैनेजर ने कहा, हमने मंगलवार को ही उनको चाबी दे दी थी। उन्होंने मुझे पांच बैग और दो बोरे में सिक्के दिए थे। फ्री टाइम में पांच कर्मचारी सिक्के गिनते थे। ये करीब 1.5 लाख रुपये थे। बाकी का पेमेंट उन्होंने कैश नोट से किया।

पुंछ में सेना के जवान की मौत, अन्य तीन घायल

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में शुक्रवार सुबह भ्रातृहंता की घटना में सेना के एक जवान की मौत हो गई और अन्य तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि सेना के एक जवान ने गुस्से में आकर अपना बंदूक सुरनकोट में शिविर के अंदर अपने सहयोगियों पर गोली चला दी और बाद में सर्विस राइफल से खुद को भी गोली मार ली। उन्होंने कहा कि जिन तीन जवानों को गोली लगी थी उनमें से एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने कहा जिस जवान ने गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मारी थी उसकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार एक जवान ने दम तोड़ दिया, लेकिन आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

श्रीखंड महादेव से लौटते श्रद्धालुओं की कार पर मलवा गिरा, युवक की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड उपमंडल के तहत टिकरी कैंची के निकट श्रीखंड महादेव की यात्रा से वापस लौट रहे श्रद्धालुओं की कार पर देर रात पहाड़ी से मलवा गिरने से इसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि श्रद्धालुओं के लौटते वक्त इनकी कार पर पहाड़ी से पत्थर और मलवा गिर गया। इस घटना में सोलन जिले के कुमारहट्टी निवासी देवानंद (31) की मौके पर ही मौत हो गई तथा सोलन जिले के ही रहने वाले संजीव कुमार, दीपक कुमार और अक्षय कुमार अन्य घायल हो गये। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नागरिक अस्पताल निरमंड पहुंचाया गया जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद खनेरी अस्पताल रैफर कर दिया है।

चर्च की जमीन बेचने और खरीदने वालों के खिलाफ दर्ज होगी प्राथमिकी : आयोग

अमृतसर। पंजाब राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्रो. इम्मानुएल नाहर ने शुक्रवार को कहा कि चर्च की जमीन बेचने वालों और खरीदने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। प्रो नाहर ने कहा कि अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा करना आयोग का मुख्य कार्य है और अल्पसंख्यक लोगों के अधिकारों की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समय पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बहुत चिंता की बात है कि कुछ लोग वक्फ बोर्ड और कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की जमीनों और कब्रिस्तानों की रक्षा की जाएगी और इस संबंध में पंजाब सरकार से चर्चा भी की जाएगी। प्रो. नाहर ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार चर्च की जमीन को बेचना और खरीदना अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने तहसीलदारों को निर्देश दिए कि चर्चों की जमीन का रजिस्ट्रेशन न करें। जहां भी अल्पसंख्यक रहते हैं, प्रशासन को कब्रिस्तान के लिए जगह उपलब्ध करानी चाहिए और जो जमीन एक बार प्रस्ताव पारित करके कब्रिस्तान के लिए दी जाती है, उसे दूसरा प्रस्ताव पारित करके वापस नहीं लिया जा सकता है। अध्यक्ष ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन निचले स्तर तक लोगों को इस संबंध में कोई जानकारी नहीं मिलती है।

हिमाचल में इस बार अब तक मानसून से 78 लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस बार मॉनसून ने भारी तबाही मचाई है तथा राज्य में अब तक भारी जानमाल का नुकसान हो चुका है। जुलाई के शुरू में हुई मॉनसून की बारिश से अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है और 104 घायल हुए हैं। इस दौरान 150 करोड़ से ज्यादा की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है। इसमें अधिकतर नुकसान लोक निर्माण विभाग को पहुंचा है। इस दौरान 62 पशुओं की भी जान चली गई तथा 100 से ज्यादा घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। भारी बारिश में 62 गौशालाएं बह गई। सांप के काटने से आठ और तीन मौतें करंट लगने और बाकी मौतें बाढ़ या भूस्खलन के कारण से हुई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष रणधीर शर्मा ने बताया की इस बार मॉनसून के शुरुआती दौर में ही भारी नुकसान हो गया है। बारिश इतनी ज्यादा नहीं हुई लेकिन जहां बारिश हुई वहां भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ और सड़क हादसों से जानमाल का नुकसान हुआ है। राज्य में हर साल बरसात में भारी नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं पर तो किसी का वश नहीं है लेकिन इनमें जानमाल का नुकसान कम हो इसके लिए राहत-बचाव जल्द शुरू करने के आदेश जारी किए गए हैं।

ब्रोकन टेल की मौत को बीते 22 साल, बाघ बसाने में अब भी नाकामी

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले के पहले अभयारण्य दरा में आज ही के दिन 22 वर्ष पूर्व बाघ ब्रोकन टेल की मौत के बाद यहां बाघ बसाने के प्रयास नहीं किए है। 15 जुलाई 2000 को हुए इस हादसे के बाद यह अभयारण्य भले ही नेशनल पार्क का दर्जा हासिल कर चुका है लेकिन ब्रोकन टेल की असामयिक मौत के बाद यहां फिर से बाघ आबाद करने के लिए अब तक कोई सफल प्रयास नहीं किए गए हैं। अगर प्रयास हुये भी तो तीन बाघ-बाघिन और उनके शावकों को खोने के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। वर्ष 1955 में राज्य सरकार के दरा को अभयारण्य घोषित किए जाने के बाद यहां बाघ लुप्त प्राय-होते चले गए थे। नई सदी के दस्तक देने से 17 साल पहले ब्रोकन टेल अंतिम बाघ था जो यहां दिखाई दिया था और वह भी पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के गांधी सागर बाघ अभयारण्य से साथी की तलाश में भटकता हुआ दरा चला आया था लेकिन दुर्भाग्यजनक परिस्थितियों में 15 जुलाई को तड़के इस अभयारण्य क्षेत्र से गुजरने वाली मुंबई-दिल्ली रेल लाइन पर ऐसे तिहासिक अबली मीणी महल के पीछे राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से उसकी जान चली गई। ट्रेन चालक ने उसे बचाने के लिए काफी कोशिश की, इसके तहत आपात स्थिति में इस्तेमाल होने वाले ब्रेक लगाकर ट्रेन की गति को धीमा किया, खूब हॉर्न बजाये लेकिन पटरियों के आसपास के दर्रे में फंस जाने से ट्रेन से कटकर ब्रोकन टेल की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद एक बार फिर से दरा के बाघ-बाघिन विहीन हो जाने के उपरांत तात्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रयास से यहां नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी की मान्यता से राजीव गांधी नेशनल पार्क बना, लेकिन बाद में राजनीतिक कारणों से नाम बदल दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय को लगा झटका

एनआईआरएफ रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) शिक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे (एनआईआरएफ) में इस साल एक स्थान फिसलकर 13वें स्थान पर आ गया। इसके अलावा, ओवरऑल रैंकिंग में भी डीयू पिछले साल के 19वें स्थान से गिरकर 23वें स्थान पर रहा।

एनआईआरएफ के विश्वविद्यालय वर्ग में दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया को दूसरा और तीसरा स्थान मिला।

दिल्ली विश्वविद्यालय एनआईआरएफ में पिछले साल 12वें, 2020 में 11वें, 2019 में 13वें और 2018 में सातवें स्थान पर रहा था। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, अनुसंधान संस्थान समेत विभिन्न वर्गों में रैंक की सूची तैयार की गई है।

डीयू का आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, किरोड़ीमल, सेंट स्टीफंस और श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से ऊपर रहा और देश के टॉप-10 कॉलेज में स्थान बनाने में कामयाब रहा। आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज सातवें स्थान पर रहा। किरोड़ी मल 10वें, सेंट स्टीफंस 11वें और श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स 12वें स्थान पर रहा।

डीयू के पांच कॉलेज एआईआरएफ के अनुसार, टॉप-10 कॉलेज में शामिल रहे हैं और मिरांडा हाउस को लगातार छठे साल शीर्ष स्थान मिला। हिंदू कॉलेज रैंक में सुधार के साथ नौवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गया। पिछले साल दूसरे स्थान पर रहा लेडी श्री राम कॉलेज फॉर विमेन पांचवें स्थान पर रहा। समग्र रैंकिंग में दिल्ली विश्वविद्यालय पिछले साल के 19वें स्थान से खिसकर 23वें स्थान पर रहा।

लाखों की प्रतिबंधित दवाइयों के साथ दो युवक गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की उधमसिंह नगर पुलिस को नशे के खिलाफ जंग में बड़ी सफलता हाथ लगी है। रम्पुरा चौकी पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाइंयों की बड़ी खेप के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। नशीली दवाइयां उत्तर प्रदेश के बहेड़ी से तस्करी कर लायी जा रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टीएस मंजूनाथ ने शुक्रवार को रूद्रुपर में इस मामले पर से पर्दा उठाते हुए कहा कि रम्पुरा चौकी प्रभारी अनिल जोशी गुरूवार रात को मय टीम के साथ जांच अभियान चला रहे थे। इसी दौरान रामपुर रोड पर यूआरडीए के पास दो बाइक सवार युवकों को रोका गया तो युवक पुलिस टीम को देखकर भागने लगे।

पुलिस टीम ने युवकों को पकड़ लिया और उनकी जांच की गयी तो उनके पास से अट्ठारह हजार से अधिक कैप्सूल व टेबलेट बरामद हुए। मौके पर औषधि निरीक्षक सुधीर कुमार को बुलाया गया और औषधि निरीक्षक की रिपोर्ट के बाद दोनों युवकों संदीप पुत्र लीलाधर निवासी वार्ड नं0 24, रम्पुरा व कल्लु पुत्र कन्हाई निवासी वार्ड नंबर 08, निकट सोनिया होटल, रम्पुरा, उधमसिंह नगर को गिरफ्तार कर लिया गया।

दो वर्ष बाद हो रही कावंड़ यात्रा, भक्तों के स्वागत को सरकार तैयार : धामी

खटीमा/नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को खटीमा स्थित अपने निजी आवास नगला तराई व राधा स्वामी सत्संग (व्यास) खटीमा में पौधारोपण किया और कहा कि दो वर्ष बाद हो रही कावंड़ यात्रा व शिव भक्तों के स्वागत के लिए सरकार तैयार है। इस मौके पर श्री धामी ने कहा कि हरेला पर्व प्रकृति संरक्षण का त्यौहार है और यह हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हम विगत कई वर्षों से हरेला पर्व को प्रकृति संरक्षण के रूप में मनाते आये हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस हरेला पर्व में जन जन की भागीदारी हो व आने वाली पीढ़ी भी इसमें भागीदार बने। वह इस बात की महत्वता को समझे कि पर्यावरण का हमारे जीवन में क्या महत्व है। उन्होंने कहा कि हमे पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहना है बल्कि पौधों के संरक्षण एंव संवर्धन पर भी ध्यान देना होगा ताकि पौधे न सूखे। उन्होंने ने श्रावण मास की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि दो वर्ष बाद इस वर्ष कावंड़ यात्रा प्रारंभ हो रही हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग 5-6 करोड़ शिवभक्तों की देवभूमि उत्तराखंड में आने की सम्भावना हैं, जिसके लिए सरकार द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि हम सभी शिवभक्तों का स्वागत करेंगे राधा स्वामी सत्संग व्यास पहुंचने पर सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और बच्चों का अभिवादन स्वीकार किया।

750 गांवों के सरकारी स्कूलों में लगाए 7500 विभिन्न फलदार वृक्ष

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में प्रथम चरण में फलदार वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत शुक्रवार को उद्यान विभाग द्वारा जिला अमृतसर के 750 गांवों के सरकारी स्कूलों में 7500 विभिन्न प्रकार के फलदार वृक्ष लगाए गए। अभियान का शुभारंभ शासकीय प्राथमिक विद्यालय करमपुरा रंजीत एवेन्यू में फलदार वृक्ष लगाकर किया गया, जिसमें अनुविभागीय दंडाधिकारी मनकंवल सिंह चाहल ने स्कूल में 10 फलदार पेड़ लगाए और संदेश दिया कि हर व्यक्ति अधिक से अधिक फलदार पेड़ लगाएं ताकि आसपास का वातावरण स्वच्छ और हरा-भरा हो और बढ़ते प्रदूषण को कुछ कम किया जा सके। उन्होंने स्कूली बच्चों को फलों के पेड़ लगाने और अपने दैनिक आहार में फल खाने की आदत अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंकीपॉक्स का पहला मामला मिलने से दहशत, केरल के पांच जिलों में हाई अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आने के एक दिन बाद, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने सभी 14 जिलों को अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद शुक्रवार को कहा कि मंकीपॉक्स मामले की रिपोर्ट आने के बाद सभी जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, पांच जिलों-तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पठानमथिट्टा, अलाप्पुझा और कोट्टायम के लोगों ने संयुक्त अरब अमीरात से आए संक्रमित व्यक्ति के साथ यात्रा की थी। इसलिए इन जिलों को विशेष अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता इन लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त करने के लिए संपर्क में हैं। यदि आवश्यक हुआ, तो उन्हें मंकीपॉक्स के लिए टेस्ट भी किया जाएगा। सभी जिलों में आइसोलेशन यूनिट तैयार की जाएंगी। हालांकि, घबराने की कोई

बात नहीं है। मंकीपॉक्स संक्रमण का देश में यह पहला मामला है। भारत ही नहीं बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र का भी यह पहला मामला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में मंकीपॉक्स का पहला मामला भारत से सामने आया है। इस सप्ताह की शुरुआत में मध्य पूर्व से आए एक 35 वर्षीय व्यक्ति में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। इससे पहले यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद, केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि पांच जिलों- तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथनमथिट्टा, अलप्पुझा और कोट्टायम में विशेष अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि इन जिलों के लोगों ने संक्रमित व्यक्ति के साथ शारजाह-तिरुवनंतपुरम इंडिगो उड़ान में यात्रा की थी जो यहां 12 जुलाई को पहुंची थी। मंत्री ने कहा कि विमान में 164 यात्री और उड़ान दल के छह सदस्य मौजूद थे। उन्होंने कहा कि उक्त सभी जिलों में पृथक-वास केंद्र स्थापित किये जाएंगे। मंत्री ने कहा कि संक्रमित व्यक्ति के बगल की सीटों पर बैठने वाले 11 लोग उच्च जोखिम संपर्क सूची में हैं।

दिल्ली में जाफराबाद इलाके के घर से मिले 4 शव

कारोबारी ने पत्नी और 2 बेटियों की हत्या के बाद की खुदकुशी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जाफराबाद इलाके के एक घर में चार शव मिलने का मामला सामने आया है। मृतकों में पति-पत्नी और 2 नाबालिग बच्चियां शामिल हैं। कथित तौर पर सभी को गोली लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि पति इसरार अहमद ने पत्नी और दोनों बच्चियों को गोली मारी और उसके बाद खुद को भी गोली मार ली। पुलिस की मानें तो इसरार का जींस पैंट बनाने का काम था, जिसमें उसे काफी घाटा हुआ था। हैरानी की बात यह है कि व्यापारी के दो बेटे भी घर के बाहर मौजूद थे, उन्हें व्यापारी ने कुछ नहीं किया।

डीसीपी (नॉर्थ-ईस्ट) संजय कुमार सेन ने बताया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में एक 40 वर्षीय व्यवसायी ने पहले अपनी पत्नी और दो बेटियों की हत्या की और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। इन्होंने व्यवसाय में घाटे के कारण 3-4 महीने पहले भी आत्महत्या की कोशिश की थी। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि इसरार ने इस वारदात को अंजाम देने से पहले अपनी पत्नी और दोनों नाबालिग बेटियों को कुछ नशीली चीज खिला दी थी और फिर उनकी हत्या के बाद खुद को भी गोली मार ली। पुलिस को इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक कमरे में चारों के शव मिले हैं।

इसरार के परिवार में 4 और 13 साल के दो बेटे बचे हैं। जिस बिल्डिंग में यह वारदात हुई उसमें कारोबारी के माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी रह रहे हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि इसरार का मुंबई में जींस का कारोबार है और उसे इसमें भारी नुकसान हो रहा था। आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायाधीश के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग

बेंगलुरु। कर्नाटक में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा बेंगलुरु शहरी उपायुक्त के खिलाफ जांच से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान तबादले की धमकियों का सनसनीखेज खुलासा करने वाले न्यायाधीश एच पी संदेश के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग करते हुए एक वकील ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अधिवक्ता एल रमेश नाइक ने अपनी याचिका में न्यायमूर्ति संदेश द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के लिए उच्च न्यायालय के तत्वावधान में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। न्यायमूर्ति संदेश ने आरोप लगाया है कि एक जुलाई को पूर्व मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी को विदाई देने के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित विदाई रात्रिभोज समारोह में भाग लेने के दौरान एक मौजूदा न्यायाधीश द्वारा उन्हें स्थानांतरण आदेश की धमकी दी गई थी।

याचिकाकर्ता का तर्क है कि न्यायपालिका के लाभ के लिए जांच आवश्यक है क्योंकि इस तरह की धमकियां न्यायिक कर्तव्यों के निष्पक्ष निर्वहन में बाधा डालती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता बनाए रखने और न्यायपालिका में विश्वास की पुष्टि के लिए मांगी गई राहत आवश्यक है।

आतंकवाद की गुप्त जंग का हिस्सा है गैंगस्टर कल्चर: खियाला

अमृतसर। भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रो सरचांद सिंह खियाला ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब में असामाजिक तत्वों की गतिविधियां आपसी दुश्मनी और बदले की भावना का नतीजा नहीं, बल्कि पाकिस्तान की एक बड़े षडयंत्र का हिस्सा भी हैं। प्रो खियाला ने कहा कि आतंकवाद के खात्मे के तीन दशक बाद एक बार फिर से पंजाब के लोगों में असुरक्षा और भय पैदा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी संदीप नंगल अंबिया और गायक से नेता बने सिद्धू मुसेवाले जैसों की हत्याएं, बम विस्फोट, नशीली दवाओं की तस्करी, लूटपाट, अदालतों और खुफिया मुख्यालय जैसे उच्च सुरक्षा वाले स्थानों में विस्फोट और जेल ब्रेक पंजाब प्रदेश में कानून-व्यवस्था को बाधित कर अराजकता बढ़ा रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य के पुलिस प्रमुख गौरव यादव ने दावा किया है कि वह ड्रग्स और गैंगस्टरों के खात्मे पर गंभीरता से ध्यान देंगे, लेकिन यह एक आसान प्रक्रिया नहीं होगी, क्योंकि असामाजिक तत्वों की ये गतिविधियां आपसी दुश्मनी और बदले की भावना का ही नतीजा नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की एक बड़े षडयंत्र का हिस्सा भी हैं।

हालाँकि, अपनी नापाक योजनाओं के लिए गैंगस्टरों का उपयोग करके, पाकिस्तान यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि ये हरकतें स्थानीय आपराधिक गिरोहों द्वारा की जा रही हैं जिनका पाकिस्तान या आईएसआई से कोई लेना-देना नहीं है।

आर. डी. धीमान हिमाचल के नये मुख्य सचिव नियुक्त

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी आर. डी. धीमान को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार श्री धीमान की नियुक्ति 1987 बैच के अधिकारी रामसुभग सिंह के स्थान पर की गई है। श्री धीमान इससे पहले अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग एवं बिजली) थे। श्री सुभग ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वीरवार देर रात मुख्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। वह पांच अगस्त 2021 को अनिल खाची की जगह राज्य के मुख्य सचिव नियुक्त किये गये थे। राज्य सरकार ने उन्हें प्रधान सलाहकार (प्रशासनिक सुधार) नियुक्त किया है।

आरएमपी नेता पर टिप्पणी को लेकर केरल विस की कार्यवाही स्थगित

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में शुक्रवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता एम.एम मणि की रिवोल्यूशनरी मार्कसिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (आरएमपी) की नेता के. के. रमा के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित करने पड़ी।

श्री मणि ने गुरुवार को गृह विभाग के वित्त की मांग पर चर्चा के दौरान विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था, यहां एक महान महिला नेता ने मुख्यमंत्री एवं लेफ्ट डेमोक्रेटिंग फ्रंट (एलडीएफ) सरकार के खिलाफ बोली हैं। वह अपनी किस्मत की वजह से विधवा हो गईं। हमलोग इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

सदन की कार्यवाही आज सुबह जब शुरू हुई, तो विपक्ष के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और श्री मणि के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने वैनर लहराए और सुश्री रमा के खिलाफ टिप्पणी को लेकर श्री मणि से माफी मांगने की मांग की।

विपक्षी दलों के हंगामा के कारण विस अध्यक्ष एम.बी. राजेश ने प्रश्नकाल और शून्य काल को स्थगित कर दिया तथा बाद में सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। विपक्षी सदस्यों ने सुश्री रमा के खिलाफ श्री मणि की टिप्पणी को लेकर मुख्यमंत्री एवं विस अध्यक्ष की भी आलोचना की।

श्री वी. डी सतीशन ने आरोप लगाया कि माकपा सुश्री रमा के पति श्री टी. पी. चंद्रशेखर की माकपा कार्यकर्ताओं द्वारा 51 बार चाकुओं से गोद कर नृशंस तरीके से हत्या करने के मामलों को छिपा रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नितला ने कहा कि आरएमपी नेता राज्य में माकपा की ओर से की गई राजनीतिक हत्याओं की वजह से राज्य की अन्य महिलाओं की तरह विधवा हो गयीं।

मेरी जिंदगी में मेरा देश, माटी और सिर्फ परमात्मा : द्रौपदी मुर्मू

भोपाल। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने संवैधानिक दायरे में रह कर देशसेवा करते रहने की प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए आज कहा कि उनका जीवन एक खुली किताब की तरह है और उनकी जिंदगी में बस देश, यहां की माटी और परमपिता परमात्मा हैं।

श्रीमती मुर्मू आज यहां राष्ट्रपति चुनाव के पूर्व अल्प प्रवास पर आईं। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उनका जैसा स्वागत हुआ, वैसा उनकी जिंदगी में पहली बार हुआ है। दरअसल श्रीमती मुर्मू के स्वागत के लिए समूची राजधानी भोपाल आज जनजातीय रंग में रंगी हुई थी। स्थान-स्थान पर जनजातीय कलाकारों ने संगीत और नृत्य के माध्यम से श्रीमती मुर्मू का भव्य स्वागत किया।

विधायकों और सांसदों से समर्थन की अपील करते हुए श्रीमती मुर्मू ने कहा कि बहुत से लोग उन्हें जानते नहीं थे। वे भी अपने समूचे देश और लोगों से परिचित होना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने स्थान-स्थान पर जाने का निर्णय किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि जो लोग उनके संगठन में नहीं हैं, वे भी उनके समर्थन के लिए आगे आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी एक खुली किताब जैसी है, आगे-पीछे कोई नहीं है। उनकी जिंदगी में बस देश, यहां की माटी और परमात्मा हैं, इसलिए देश के लिए जीवन समर्पित करने का विचार मन में है। उन्होंने कहा कि उन्होंने देश के लिए ये पद ग्रहण करने की स्वीकृति दी। जनजातीय वर्ग से ताल्लुक रखने वाली श्रीमती मुर्मू ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी जिस वर्ग को कभी ऐसा अवसर नहीं मिला, वे सब लोग अब बहुत उत्सुक और उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह वर्ग अब उपेक्षित नहीं महसूस करेगा। उन्होंने ये भी कहा महिलाओं की भी उनसे बहुत ज्यादा अपेक्षाएं हैं। झारखंड की राज्यपाल रह चुकीं श्रीमती मुर्मू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब उन्हें इस पद के लिए चुना, तब वे अचंभे में आ गईं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी से कहा कि वे इस पद पर काम कर पाएंगी या नहीं, इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी लोग उनके साथ हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के लिए 25 साल का रोडमैप बनाया है। इसी क्रम में उन्होंने ये भी कहा कि वे संवैधानिक दायरे में रह कर देशसेवा के लिए तैयार हैं।

डाउन ट्रैक पर पानी आने से इटारसी-नागपुर रेल सेवा प्रभावित

बैतूल। मध्य रेलवे नागपुर सेक्शन के अंतर्गत आने वाले कीरतगढ़ और केसला स्टेशन के पास आज सुबह तेज बारिश से ट्रैक के नीचे मिट्टी एवं गिट्टी बहने से इटारसी-नागपुर डाउन लाइन पर रेल सेवा प्रभावित हुयी है। मध्य रेलवे नागपुर के जनसंपर्क अधिकारी अमोल गहुकर ने आज बताया कि क्षेत्र में हो रही तेज बारिश के कारण इटारसी के पास मध्य रेलवे नागपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले कीरतगढ़ एवं केसला स्टेशन के मध्य खंबा नंबर 762 के डाउन ट्रैक पर सुबह करीब पांच बजे के दौरान पानी के तेज बहाव से ट्रैक के नीचे की मिट्टी एवं गिट्टी बहने से इटारसी-नागपुर मार्ग के डाउन ट्रैक पर यातायात प्रभावित हुआ है। इसके कारण ट्रेन नंबर 20806 नई दिल्ली-विशाखापट्टनम एवं ट्रेन नंबर 12616 नई दिल्ली-चेन्नई जी.टी.एक्सप्रेस को डायर्वड कर खंडवा-बडनेरा-वर्धा-बल्लारशा होते हुए गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया है। आमला एवं बैतूल से अमला मौके पर पहुंचकर डाउन ट्रैक को बहाल करने युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। इसके कारण कई ट्रेनें विलंब से चल रही है। ट्रेन नंबर 16094 लखनऊ-चेन्नई, ट्रेन नंबर 12724 नई दिल्ली-हैदराबाद, ट्रेन नंबर 12792 दानापुर-सिकंदराबाद एवं ट्रेन नंबर 22692 हजरत निजामुद्दीन-बैंगलुरू राजधानी एक्सप्रेस को अप ट्रैक से नागपुर की ओर रवाना किया है।

'मीडिया विमर्श' के 'कन्नड मीडिया विशेषांक' का लोकार्पण

बेंगलुरु में श्री मधुसूदन साईं ने किया पत्रिका के विशेषांक का लोकार्पण, कन्नड और हिंदी साहित्य में हैं एकता के सूत्र : मधुसूदन साईं

प्रफुल्ल राय

बेंगलुरु/नई दिल्ली। जनसंचार के सरोकारों पर केंद्रित देश की प्रतिष्ठित पत्रिका %मीडिया विमर्श% के %कन्नड मीडिया विशेषांक% का लोकार्पण बेंगलूरू में श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी फॉर ह्यूमन एक्सीलेंस के चांसलर श्री मधुसूदन साईं ने किया। इस अवसर पर पत्रिका के सलाहकार संपादक एवं भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी एवं डॉ. राकेश उपाध्याय भी उपस्थित थे। पत्रिका का लोकार्पण करते हुए श्री मधुसूदन साईं ने कहा इस विशेषांक में कन्नड मीडिया और संस्कृति के कई आयामों की जानकारी मिलती है। कन्नड और हिंदी भाषा में एकता के कई सूत्र हैं। कन्नड और हिंदी साहित्य में भी एकता के कई सूत्र मिलते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रिकाओं के ऐसे विशेषांकों से भारतीय संस्कृति में एकात्मकता का बोध होता है। इस विशेषांक के माध्यम से हिंदी पाठकों को कन्नड मीडिया के विभिन्न आयामों के बारे में जानने और सांस्कृतिक एकात्मकता के अंत:सूत्र को समझने का अवसर मिलता है।

मीडिया विमर्श के सलाहकार संपादक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने कहा कि कन्नड पत्रकारिता और मीडिया की व्यापक दुनिया है। इससे अवगत होने का मौका हिंदी पाठकों को इस विशेषांक के माध्यम से मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में अंतर-संवाद की परंपरा को मीडिया विमर्श ने अपने उर्दू पत्रकारिता विशेषांक, गुजराती पत्रकारिता विशेषांक, तेलुगू मीडिया विशेषांक, मलयालम मीडिया विशेषांक और तमिल मीडिया विशेषांक के माध्यम से लगातार आगे बढ़ाया है। मीडिया विमर्श का कन्नड मीडिया विशेषांक इस दिशा में एक और प्रयास है। कन्नड मीडिया के इतिहास, विकास, पत्रकारिता और सिनेमा के मूल्यांकन एवं विश्लेषण के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अंतर-संवाद की यह परंपरा सार्थक होगी। मीडिया विमर्श के कन्नड मीडिया विशेषांक में कन्नड पत्रकारिता का इतिहास, कन्नड सिनेमा, टीवी, रेडियो, वेब आदि कन्नड मीडिया के विभिन्न आयामों पर केंद्रित आलेखों का प्रकाशन हुआ है।

इस विशेषांक में कुल 27 आलेखों में से 21 हिंदी में और 6 अंग्रेजी में हैं। आलेख कर्नाटक के कई विद्वानों ने लिखे हैं। विशेषांक के अतिथि संपादक डॉ. सी. जय शंकर बाबु हैं।

शार्ट न्यूज

एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर पहल के तहत निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर पहल के तहत नूंह एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट, हरियाणा के नूंह ब्लॉक के बजेड़ा गांव में ग्रामीणों के स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा 15 जुलाई 2022 को नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। एनएचपीसी सीएसआर पहल के तहत इस प्रकार के छह स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने निर्धारित हैं, जिसमें यह पहला शिविर था। इस शिविर में रक्ताल्पता, मधुमेह और उच्च रक्तचाप पर ध्यान केंद्रित करते हुए डॉक्टरों और तकनीशियनों की एक टीम ने 196 लोगों की ब्लड, बीपी, हृदय, ऑक्सीजन सेचुरेशन लेवल, आंखों आदि की जांच कर स्वास्थ्य व इम्युनिटी बूस्टर किट दिया। इस दौरान लोगों को कोविड-उपयुक्त व्यवहार और स्वच्छ प्रथाओं का पालन करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए कम लागत वाले पोषण और संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी गई तथा दवाएं, पोषाहार पूरक इत्यादि का वितरण भी किया गया।

थाना सेक्टर 58 पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 58 पुलिस ने गुरुवार को बैंक ऑफ बडौदा सेक्टर 62 के पास स्टेलर आइटी पार्क रोड पर हुई मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे अभियुक्त उमर दराज पुत्र यामीन निवासी मोती कालोनी सिकन्दर गेट थाना हापुड़ नगर जिला हापुड़ को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय तीन कारतूस जिन्दा और बिसरख थाना क्षेत्र से डेढ महिने पूर्व चोरी की गयी प्लेटिना मोटरसाइकिल बरामद की है।गिरफ्तार घायल बदमाश का मुख्य अपराध लूट करना व अवैध शस्त्रों की तस्करी करना था। यह थाना हापुड़ कोतवाली देहात व कोतवाली नगर, थाना बिसरख और थाना सेक्टर 58 से वांछित चल रहा था।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना बीटा टु पुलिस ने हत्या करने वाल अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने हत्या करने वाले अभियुक्त आशीष रंजन पुत्र शंकर ठाकुर निवासी बाका जिला बाका बिहार वर्तमान पता सी-406 गामा-1 थाना बीटा टु गौतमबुद्धनगर को न्यू अशोकनगर दिल्ली से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त की निशादेही पर पुलिस ने घटनास्थल सी-406 गामा-1 से घटना में प्रयुक्त दुपट्टा,हत्या कर शव को छिपाने में प्रयुक्त दो बैड सीट,एक विछावन,एक ऊनी चादर (कम्बल),एक प्लास्टिक का बोरा और पतली रस्सी प्लास्टिक बरामद की है।गौरतलब है कि मृतका पूजा भारती उर्फ अवनी रिश्ते में गिरफ्तार अभियुक्त आशीष रंजन की मौसी लगती थी। दोनों गामा-1 में किराये का कमरा लेकर मकान मालिक व पड़ौसियों को भाई बहन बताकर रह रहे थे दोनो का आपस में प्रेम प्रसंग चल रहा था। अभियुक्त आशीष रंजन बीटेक फाइनल ईयर का छात्र था जिसकी प्लेसमेंट के माध्यम से हैदराबाद में जॉब लग गयी थी। पूजा भारती अभियुक्त आशीष से शादी करना चाहती थी लेकिन आशीष की जॉब लगने के बाद से पूजा भारती उर्फ अवनी से शादी से इंकार करने लगा। चूंकि पूजा भारती पूर्व से ही शादीशुदा भी थी पति से विवाद होने पर आशीष रंजन के साथ रह रही थी। पूजा भारती ने इस बात पर कुछ दिनों से आशीष रंजन से अपने अवैध सम्बन्ध की बात समाज व परिवार में उजागर करने की लगातार धमकी दे रही थी जिस कारण अभियुक्त द्वारा गुस्से में आकर 7 जुलाई 2022 को दोपहर में मृतका पूजा भारती को गले में डाले दूपट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी व शव को छुपाने के लिए बैडशीट व बिछावन में लपेटकर प्लास्टिक के कट्टे में रखकर शव को किसी अज्ञात स्थान पर डालने के लिए प्रतीक्षा में था।

फैमिली डिस्पियूट रिजोल्यूशन क्लीनिक के दो वर्ष सफतापूर्वक पूर्ण होने के पर पुलिस कमिश्नर द्वारा मनाया गया स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस एवं शारदा यूनिवर्सिटी के समन्वय से स्थापित फैमिली डिस्पियूट रिजोल्यूशन क्लीनिक के दो वर्ष सफतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष में थाना नॉलेज पार्क पर पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह द्वारा शुक्रवार को स्थापना दिवस मनाया गया। इस सेंटर को दो वर्ष पूर्व संचालित किया गया था जिसमे पारिवारिक विवाद,घरेलू हिंसा के बढ़ते प्रकरणों के दृष्टिगत घरेलू विवाद, घरेलू हिंसा, लिव इन रिलेशनशिप के विवाद को मध्यस्ता से सुलझाने हेतु रेफर किए जाते है। शारदा यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों एवं पुलिस के स्युंक्त पैनल द्वारा मध्यस्ता की सेवाएं प्रदान की जाती है। इन विशेषज्ञों में मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक व कानून विशेषज्ञ उपस्थित रहते है। पिछले दो वर्ष में कुल 601 प्रकरण इस सेंटर में रेफर किए गए जिनमें से 533 प्रकरणों में सफतापूर्वक मध्यस्ता से कार्यवाही समाप्त की गई है एवं अपनी समस्या लेकर आए दंपति यहां से संतुष्ट होकर वापस चले गए। मात्र 70 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज की गई है।

रबूपुरा पुलिस ने तीन लुटेरों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 74 हजार रुपये,तीन मोटरसाइकिल सहित अवैध असलहा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना रबूपुरा पुलिस ने शुक्रवार को चेकिंग के दौरान तीन लुटेरों प्रवीन उर्फ विशाल उर्फ गब्बर पुत्र मुकेश निवासी ग्राम मुरादगढ़ी थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर, शाहरुख पुत्र नजर मौहम्मद निवासी ग्राम तिरथली थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर, रहीम पुत्र निजामुद्दीन सैफी निवासी ग्राम तिरथली थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र की कैंची की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने लूट हुए पचास हजार रुपये, एक चोरी की मोटरसाइकिल स्पलैण्डर, घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल जिनमें एक अपाचे मोटरसाईकिल नंबर एचआर 29 एटी 5470, एक स्पलैण्डर मोटरसाइकिल नंबर यूपी 16 बीपी 9518,चोरी के 24 हजार रुपये नगर और दो तमंचे तीन सौ पन्द्रह बोर मय तीन कारतूस जिन्दा व दो कारतूस खोका बरामद किए हैं।गौरतलब रबूपुरा पुलिस द्वारा बैरियर लगाकर चेकिंग की जा रही थी तभी ग्राम तिरथली की तरफ से उक्त तीनों बदमाश अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर आ रहे थे जिनको रोकने का प्रयास किया गया तो उनके द्वारा फायर किया गया जिसपर रबूपुरा पुलिस टीम द्वारा भागते हुए बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली के व्यापारियों को बर्बाद करने की तैयारी में भाजपा शासित एमसीडी, ट्रेड व स्टोरेज लाइसेंस फीस में की कई हजार की बढ़ोतरी

2017 के संकल्प पत्र में नया टैक्स न लगाने की कही थी बात, सरकार बनने के बाद लगातार टैक्स बढ़ा रही भाजपा शासित एमसीडी

आनंद राय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा शासित एमसीडी द्वारा ट्रेड और स्टोरेज की लाइसेंस फीस को बढ़ाए जाने पर विरोध जताया है। साथ ही भाजपा से इस फैसले को वापस लेने की भी मांग की है। एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा दिल्ली के व्यापारी वर्ग को बर्बाद करना चाहती है इसलिए 500 की फीस को बढ़ाकर लगभग एक लाख कर दिया है। 10 वर्ग मीटर की दुकान पर 500 रुपए की फीस को बढ़ाकर 4000 किया। 10-20 वर्ग मीटर की दुकान के लिए 500 रुपए की लाइसेंस फीस को बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया। 21-400 वर्ग मीटर के लिए 500 रुपए की लाइसेंस फीस को बढ़ाकर 21 हजार रुपए किया और 400 वर्ग मीटर से अधिक के लिए अब 72 हजार रुपए की लाइसेंस फीस देनी होगी। उन्होंने कहा कि 2017 के संकल्प पत्र में उस वक्त रहे भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने नया टैक्स न लगाने की बात कही थी लेकिन सरकार बनने के बाद लगातार टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर से विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्तवपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 में जब एमसीडी का चुनाव हो रहा था तो उस वक्त भाजपा के अध्यक्ष रहे मनोज तिवारी ने कहा था कि यदि एमसीडी में भाजपा की सरकार फिर से आती है तो किसी तरह का नया टैक्स नहीं लगाया जाएगा। इस बात को संकल्प पत्र में भी लिखा गया था। भाजपा को पता है कि दिल्ली में उसकी राजनीति का अंत हो चुका है इसलिए उन्होंने दिल्लीवालों को परेशान करने की कसम खाई है। स्थिति यह है कि चुनाव कराने से भी भाग रहे हैं। कुछ दिनों पहले पता चला कि एमसीडी हाउस टैक्स बढ़ा रही है। अब भाजपा ने दिल्ली के छोटे और मध्यम उद्यम वाले, छोटे ट्रेडर्स, छोटी दुकान चलाने वाले और छोटे गोदाम चलाने वालों पर भारी मात्रा में टैक्स लगाने का फैसाल किया है। ट्रेड लाइसेंस फीस में हुई वृद्धि की जानकारी देते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा कि ट्रेड और स्टोरेज की लाइसेंस फीस पर कई गुना बढ़ोतरी होने जा रही है। पहले 10 वर्ग मीटर की दुकान के लिए 500 रुपए की ट्रेड लाइसेंस फीस देनी पड़ती था। अब उसे बढ़ाकर 4000 कर दिया है। 10-20 वर्ग मीटर की दुकान के लिए 500 रुपए देना पड़ता था, जिसे बढाकर 10 हजार रुपए कर दिया है। 21-400 वर्ग मीटर की जमीन के लिए भी 500 रुपए देना पड़ता था लेकिन उसे बढ़ाकर 21 हजार रुपए कर कर दिया है। 400 वर्ग मीटर से अधिक के लिए अब 72 हजार रुपए देने पड़ेंगे। शोरूम, छोटी दुकानें आदि पर जहां 500 रुपए की ट्रेड लाइसेंस फीस लगती थी। अब लोगों को एक लाख से अधिक फीस भरना होगा।

अल्ट्राटेक कम्पनी के नाम पर नकली सीमेंट बनाने वाले चार गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने अल्ट्राटेक कम्पनी के नाम पर नकली सीमेंट बनाने वाले चार अभियुक्तों कुलदीप शर्मा पुत्र उमेद शर्मा (केडी बिल्डिंग मैटेरियल का मालिक) निवासी पटवारी का बाग गावं अच्छेजा,बाबू राम पुत्र गोपीचन्द निवासी खैराती नगर थाना बिलसी जनपद बदांयू, धीरज सिंह पुत्र डालचन्द निवासी ग्राम नरौली थाना जारचा जनपद गौतबुद्धनगर, विरासत पुत्र उमेद अली निवासी लालपुर सोलाना थाना धौलाना जिला हापुड़ को एनटीपीसी रोड थाना जारचा क्षेत्र से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने कुल 166 सीमेण्ट की बोरी नकली और बिना नंबर का एक आयशर ट्रेक्टर मय ट्राली के बरामद किया है। गौरतलब है कि 14 जुलाई 2022 को वादी संजय (सीनियर मैनेजर अल्ट्राटेक सीमेण्ड) वर्ल्ड टावर 18वां तल सेक्टर 16 थाना सेक्टर 30 नोएडा व ललित कुमार पुत्र दफेदार सिंह निवासी मकान नंबर 505 सैक्टर 65 गुडगावं द्वारा सूचना दी गयी एनटीपीसी रोड थाना जारचा क्षेत्र पर उनकी कम्पनी अल्ट्राटेक के नाम से नकली सीमेंट बनाया जा रहा है।

पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये अनुराग बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर एनटीपीसी रोड के सामने वाली दुकान व एनटीपीसी रोड पर सतपाल पुत्र रघुराज का गोदाम थाना क्षेत्र जारचा से कुल 166 सीमेण्ट की बोरी बरामद कर ली। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

कांवड़ यात्रा मार्गों से लुहारों को हटाया जाए, वो मांसाहारी हैं; दिल्ली पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक एडवाइजरी जारी कर कांवड़ यात्रा मार्गों पर रहने वाले लुहारों को कहीं और शिफ्ट करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर रहने वाले लुहारों को कहीं और शिफ्ट किया जाना चाहिए क्योंकि वे मांसाहारी भोजन करते हैं और हड्डियां सड़क पर ही छोड़ देते हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच द्वारा जिला पुलिस को जारी की गई एडवाइजरी में कहा गया है कि लुहारों को या तो शिफ्ट किया जाना चाहिए या यात्रा के लिए मार्ग को इस तरह से चार्ट (तैयार) किया जाना चाहिए, ताकि वे रास्ते में न आएं। इसके साथ ही पुलिस द्वारा किसी भी फर्जी पोस्ट को रोकने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने की सलाह दी गई है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा न हो। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि लुहार सड़क के किनारे रहते हैं और मांसाहारी खाना खाते हैं। अधिकारी ने कहा कि अवशेषों की उचित निपटान प्रणाली न होने के कारण वे हड्डियों को सड़क पर ही छोड़ देते हैं और पवित्र तीर्थयात्रा के लिए जाने वाले कांवड़ यात्रियों को इससे समस्या होती है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि 14 जुलाई से शुरू हुई यात्रा से पहले सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। कोविड महामारी के कारण इस बार यह यात्रा दो साल के अंतराल के बाद हो रही है। पुलिस ने मंगलवार को कहा था कि 14 जुलाई से 26 जुलाई तक सुरक्षा और यातायात को लेकर विशेष व्यवस्था की जाएगी। पुलिस ने कहा था कि 21 जुलाई के बाद कांवड़ियों का यातायात बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली में कुछ विशेष मार्ग हैं जो कांवड़ियों को समर्पित किए गए हैं। उनके लिए कुल 338 कैंप लगाए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा था कि वाहन चालकों और सड़क पर चलने वालों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए और अपनी समर्पित सड़क लेन में चलना चाहिए। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और आसान बनाने के लिए पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस ने यात्री रजिस्ट्रेशन प्रणाली शुरू की थी। सभी कांवड़िए अपने मोबाइल फोन के माध्यम से kavad.delhipolice.gov.in पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सुरजपुर पुलिस ने ने पुलिस मुठभेड़ के वांछित अभियुक्त आरिफ पुत्र तैय्यब निवासी-गांव खिवई थाना सरुरपुर जनपद मेरठ को उसके निवास स्थान से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। उपरोक्त अभियुक्त थाना सुरजपुर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 1166/2018 धारा 307, 411 भादवि (पुलिस मुठभेड़) में वांछित चल रहा था।अभियुक्त एक शातिर किस्म का अपराधी है जिसके द्वारा अपने साथी मुन्ने पुत्र शरीफ निवासी ग्राम खिवाई थाना सरूरपुर जनपद मेरठ के साथ मिलकर 9 फरवरी 2018 को पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया था। अभियुक्त आरिफ उस समय अंधेरे का फायदा उठाकर पुलिस पार्टी को चकमा देकर मौके से फरार हो गया था और तभी से वांछित चल रहा था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बिजली दरों के बाद अब पानी-सीवर के विकास शुल्क में बढ़ोतरी: बिधूड़ी

100 रुपए प्रति वर्ग मीटर की जगह अब देना पड़ेगा कई लाख रुपए

आनंद राय

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बिजली के साथ-साथ पानी और सीवर के कनेक्शन लेने के लिए विकास शुल्क में भी भारी बढ़ोतरी के लिए दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लिया है।

उन्होंने कहा है कि मुफ्त बिजली-पानी के नाम पर जनता को बेवकूफ बनाने की केजरीवाल सरकार की चाल अब फेल हो गई है।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में पॉवर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट के नाम पर 2 से 6 फीसदी तक बिजली की दरों में चोर दरवाजे से बढ़ोतरी का बोझ जनता पर डाला गया और अब पानी और सीवर के कनेक्शन के लिए विकास शुल्क में कई गुना बढ़ोतरी भी बिना सूचना दिए कर दी गई है। दिल्ली जल बोर्ड ने विकास शुल्क को इन्फ्रास्ट्रक्रर चार्जेस का नाम देते हुए पानी और सीवर दोनों ही मदों में भारी बढ़ोतरी की है। पहले पानी के घरेलू कनेक्शन के लिए लिए विकास शुल्क 100 रुपए प्रति वर्ग मीटर हुआ करता था लेकिन अब उसे बढ़ाकर 220.50 रुपए प्रति वर्ग फुट कर दिया गया है। इस तरह पहले 200 वर्ग मीटर के प्लाट पर पानी के कनेक्शन के लिए विकास शुल्क सिर्फ 20 हजार रुपए ही देना होता था तो अब उसके लिए करीब 3 लाख 80 हजार रुपए देने पड़ रहे हैं। इसी तरह अगर किसी को 200 वर्ग मीटर के कमर्शियल प्लाट पर पानी का कनेक्शन लेना हो तो विकास शुल्क के नाम पर करीब 7 लाख रुपए खर्च करने होंगे।

बिधूड़ी ने कहा कि सीवर के रेट्स में भी इसी तरह बढ़ोतरी की गई है। सीवर के घरेलू कनेक्शन के लिए अब 200 वर्ग मीटर के प्लाट पर करीब ढाई लाख का विकास शुल्क अदा करना पड़ेगा जबकि कमर्शियल कनेक्शन के लिए सवा चार लाख रुपए का भुगतान करना होगा।

उन्होंने कहा कि चुनावों के समय आप सरकार सीवर और पानी के विकास शुल्क माफ करने का ऐलान कर देती है या फिर बहुत ही कम चार्जेस करके लोगों को बेवकूफ बनाती है लेकिन चुनाव गुजर जाने के बाद बिना सूचना के ही जनता पर लाखों रुपए का बोझ डाल देती है। बिधूड़ी ने बिजली की बढ़ाई गई दरों और पानी-सीवर के विकास शुल्क में की गई बढ़ोतरी को फौरन वापस लेने की मांग की है ताकि जनता को राहत मिल सके।

दिल्ली से गाजियाबाद तक चलती कार में 10वीं की स्टूडेंट से गैंगरेप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में चलती कार में 16 साल की नाबालिग लड़की से गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने लड़की को शराब पिलाकर कार में वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली से गाजियाबाद तक सड़क पर कार को घुमाते हुए बच्ची के जिस्म को नोचते रहे। उसके साथ अननैचुरल सेक्स भी किया और घिनौनी वारदात को मोबाइल कैमरे में कैद करते रहे। पीड़िता की शिकायत के बाद वसंत विहार पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता वसंत विहार इलाके की रहने वाली है। वह दिल्ली के एक स्कूल में 10वीं की स्टूडेंट है। पीड़ित ने बताया कि 6 जुलाई को वो अपनी सहेली के घर मोतीबाग गई थी। रात में लौटते समय वसंत गांव मार्किट के पास 2 लड़के मिले जो उसे घूमने के बहाने साथ ले गए। इसके बाद उन दोनों ने अपने एक तीसरे दोस्त को बुलाया जो वैगनआर कार लेकर आया। पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों ने उसे कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर शराब पिला दी और वारदात को अंजाम दिया।

छात्रा का आरोप है कि शराब पिलाने के बाद तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ गैंगरेप किया। वे कार को दिल्ली की सड़कों पर घुमाते रहे। दिल्ली से गाजियाबाद तक ले गए और गैंगरेप करते रहे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। गाजियाबाद से दोबारा वे दिल्ली पहुंचे और यहां पीड़िता को कार से उतारकर फरार हो गए। बच्ची ने थाने में पहुंचकर आपबीती बताई तो पुलिस ने तुरंत केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की। वसंत विहार पुलिस ने आईपीसी की धारा 323/354/342/376ष्ठ/377/506/363 और 6/8 पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। अब तीनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

कृषकों को वित्तीय लाभ के लिए क्षमता विकास के तहत सूरजपुर वेटलैण्ड में कार्यशाला का किया गया आयोजन

ग्रेटर नोएडा। प्रभागीय वनाधिकारी गौतमबुद्धनगर ने जानकारी देते बताया कि उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी से कार्बन फाइनेन्स के माध्यम से कृषकों को वित्तीय लाभ के लिए क्षमता विकास के अन्तर्गत शुक्रवार को सूरजपुर वेटलैण्ड में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रभागीय वनाधिकारी/ वन प्रभाग गौतमबुद्धनगर प्रमोद कुमार, पूर्व प्रभागीय वनाधिकारी/वन संरक्षक जोगा सिंह, टेरी टीम विभिन्न ग्रामों से आये कृषक एवं वन विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में टेरी टीम द्वारा किसानों को कार्बन क्रेडिट के बारे में अवगत कराया गया।

अब नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अवैध रूप से नहीं रह पाएंगे विदेशी नागरिक, यूपी पुलिस चलाएगी जांच अभियान

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में विदेशी नागरिकों की जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा। इस पासपोर्ट और वीजा की जांच की जाएगी। इस दौरान जो लोग बिना वीजा रहते मिलेंगे, उनको डिपोर्ट किया जाएगा। वर्तमान में गौतमबुद्ध नगर जिले में 2200 विदेशी नागरिक रहते हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या नाइजीरिया के नागरिकों की है। दूसरे नंबर पर चीनी नागरिकों की संख्या है।

अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था लव कुमार ने बताया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद अवैध रूप से रहने वाले 26 चीनी नागरिकों को पकड़ा गया था। इसके अलावा साइबर ठगी के मामले में लगातार यहां पर अवैध रूप से रहने वाले नाइजीरियन गिरफ्तार हो रहे हैं। इसके चलते सभी थाना क्षेत्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने इलाकों में रहने वाले विदेशी नागरिकों की जांच करें। देखें कि कहीं कोई विदेशी नागरिक अवैध तरीके से तो नहीं रह रहा।

इसके अलावा अपना मकान किराये पर देने वाले लोगों के लिए भी निर्देश दिए गए हैं कि वे विदेशी नागरिकों को अपना मकान किराये पर देने से पहले उनसे फॉर्म सी अवश्य भरवाएं और इस फार्म को संबंधित थाना पुलिस को उपलब्ध कराने के साथ ही उनका सत्यापन भी कराएं। अन्यथा मकान मालिकों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध रूप से रहकर भारतीय नागरिकता हासिल करने वाले चीनी नागरिक सुफाई और उसके साथियों का कारोबार मोबाइल से ही जुड़ा माना जा रहा है।

एसटीएफ की जांच में भी प्रमाण मिल रहे हैं कि वह मोबाइल का स्क्रैप यहां से चीन भेजने के साथ ही विभिन्न चिप भी चीन भेज रहे थे, जिससे यहां के लोगों का डाटा भी चीन जा रहा था। वहां पर इसका क्या प्रयोग होता इसको लेकर एसटीएफ और केंद्रीय एजेंसियों की जांच जारी है।

ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर मोहम्मद जुबैर को दिल्ली कोर्ट से राहत, 2018 के ट्वीट केस में जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को एक कथित आपत्तिजनक ट्वीट मामले से संबंधित एक मामले में दिल्ली की एक अदालत ने जमानत दे दी। इस मामले में उन्हें पिछले महीने दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि, मोहम्मद जुबैर ऑल्ट न्यूज नाम से फैक्ट चेकिंग वेबसाइट चलाते हैं। उन पर कथित फैक्ट चेकिंग के नाम पर लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप है।

पटियाला हाउस कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जांगला की अदालत ने शुक्रवार को जुबैर को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके एवं इतने ही रुपये मूल्य के जमानती के आधार पर जमानत दी है।

अदालत ने कहा कि वह न्यायिक अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकते। इससे पहले गुरुवार को अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष दोनों पक्षों की दलीलें खत्म होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दिल्ली पुलिस के विशेष लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने मोहम्मद जुबैर की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि इस स्तर पर जमानत नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इस मामले में विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि बिना किसी पक्षपात के मामले में जांच अच्छी गति से चल रही है। दिल्ली पुलिस की तरफ से कहा गया कि जुबैर के संगठन को 56 लाख रुपये मिले, इस संगठन में जुबैर निदेशक है। यह मामला एफसीआरए का उल्लंघन का है। पुलिस का कहना था कि उन्होंने रेजर पे को नोटिस दिया है। इस मामले में एक निश्चित जालसाजी भी हो सकती है, जिसकी जांच चल रही है। बैंक का नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है।

पुलिस का आरोप है कि यह सुनियोजित और चतुराई से किया गया। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि यह उतना आसान नहीं है जितना जुबैर के वकील ने पेश किया है। अतुल श्रीवास्तव ने सत्र न्यायालय के समक्ष कहा कि जुबैर ने ट्वीट के माध्यम से एक समुदाय की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा, हनुमान जी ब्रह्मचारी हैं और उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए हनुमान जी की तुलना हनीमून से की है। जुबैर की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने दिल्ली पुलिस के विदेशी फंडिंग के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह 56 लाख रुपये विदेशी फंडिंग से प्राप्त नहीं हुए हैं। बैंक में पैन कार्ड लगा है, अन्य दसतावेज हैं। पुलिस जांच कर सकती है। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जुबैर को जमानत देने का फैसला सुनाया है।

संपादकीय

राष्ट्रपति बदल देने से सभी समस्याओं का हल नहीं हो जायेगा

राजपक्ष की पार्टी की बहुमत वाली संसद को अब श्रीलंका की जनता कैसे बर्दाश्त करेगी? विरोध पक्ष के नेता सजित प्रेमदास ने दावा किया है कि वे अगले राष्ट्रपति की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं लेकिन 225 सदस्यों की संसद में राजपक्ष की सत्तारुढ़ पार्टी की 145 सीटें हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्ष देश छोड़कर भाग खड़े हुए हैं। इधर श्रीलंका में प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं। राष्ट्रपति भवन में जनता ने कब्जा कर रखा है और रनिल के घर को भी जला दिया गया है। रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका में कौन कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर स्वीकार करेगा? अब तो श्रीलंकाई संसद ही राष्ट्रपति का चुनाव करेगी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस संसद की कीमत ही क्या रह गई है?

राजपक्ष की पार्टी की बहुमत वाली संसद को अब श्रीलंका की जनता कैसे बर्दाश्त करेगी? विरोध पक्ष के नेता सजित प्रेमदास ने दावा किया है कि वे अगले राष्ट्रपति की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं लेकिन 225 सदस्यों की संसद में राजपक्ष की सत्तारुढ़ पार्टी की 145 सीटें हैं और प्रेमदास की पार्टी की सिर्फ 54 सीटें हैं। यदि प्रेमदास को सभी विरोधी दल अपना समर्थन दे दें तब भी वे बहुमत से राष्ट्रपति नहीं बन सकते। सजित काफी मुंहफट नेता हैं। उनके पिता रणसिंह प्रेमदास भी श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे हैं। उनके साथ यात्रा करने और कटु संवाद करने का अवसर मुझे कोलंबो और अनुराधपुरा में मिला है। वे भयंकर भारत-विरोधी थे। इस समय सबको पता है कि भारत की मदद के बिना श्रीलंका का उद्धार असंभव है। यदि सजित प्रेमदास संयत रहेंगे और सत्तारुढ़ दल के 42 बागी सांसद उनका साथ देने को तैयार हो जाएं तो वे राष्ट्रपति का पद संभाल सकते हैं लेकिन राष्ट्रपति बदलने पर श्रीलंका के हालत बदल जाएंगे, यह सोचना निराधार है।

सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि इन बुरे दिनों में श्रीलंका की प्रचुर सहायता के लिए चीन आगे क्यों नहीं आ रहा है? राजपक्ष परिवार तो पूरी तरह चीन की गोद में ही बैठ गया था। चीन के चलते ही श्रीलंका विदेशी कर्ज में डूबा है। चीन की वजह से अमेरिका ने चुप्पी साध रखी है। लेकिन भारत सरकार का रवैया बहुत ही रचनात्मक है। वह कोलंबो को ढेरों अनाज और डॉलर भिजवा रहा है। भारत जो कर रहा है, वह तो ठीक ही है लेकिन यह भी जरूरी है कि वह राजनीतिक तौर पर जरा सक्रियता दिखाए। जैसे उसने सिंहल-तमिल द्वंद्व खत्म कराने में सक्रियता दिखाई थी, वैसे ही इस समय वह कोलंबो में सर्वसमावेशी सरकार बनवाने की कोशिश करे तो वह सचमुच उत्तम पड़ोसी की भूमिका निभाएगा। ज़रा याद करें कि इंदिराजी ने 1971 में प्रधानमंत्री श्रीमावो बंदारनायक के निवेदन पर रातोंरात उनको तख्ता-पलट से बचाने के लिए केरल से अपनी फ़ौजें कोलंबो भेज दी थीं और राजीव गांधी ने 1987 में भारतीय शांति सेना को कोलंबो भेजा था।

सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र के सम्मुख एक ज्वलंत प्रश्न उभर के सामने आया है कि क्या भारतीय राजनीति विपक्ष विहीन हो गई है? आज विपक्ष इतना कमजोर नजर आ रहा है कि सशक्त या ठोस राजनीतिक विकल्प की संभावनाएं समाप्त प्राय: लग रही हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष राजनीति ही नहीं, नीति विहीन भी हो गया है? यही कारण है कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर तक पहुंचते हुए राजनीतिक सफर में विपक्ष की इतनी निस्तेज, बदतर एवं विलोपपूर्ण स्थिति कभी नहीं रही। इस तरह का माहौल लोकतंत्र के लिये एक चुनौती एवं विडम्बना है। भले ही पूर्व दशकों में कांग्रेस भारी बहुमत में आया करती थी परन्तु छोटी-छोटी संख्या में आने वाले राजनीतिक दल लगातार सरकार को अपने तर्कों एवं जागरूकता से दबाव में रखते थे, अपनी जीवंत एवं प्रभावी भूमिका से सत्ता पर दबाव बनाते थे, यही लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण था। लेकिन अब ऐसी स्थिति समाप्त होती जा रही है बल्कि इस कदर बदतर हो चुकी है कि चुनावों से पहले ही स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ भविष्यवाणी की जा सकती है कि सत्ता में फिर से भाजपा ही आयेगी। यह स्थिति अचानक तो नहीं आयी है? इसकी असली वजह क्या हो सकती है? आखिर विपक्ष इतना कमजोर एवं नकारा कैसे हो गया?

विपक्ष की इस कमजोर स्थिति का दोष विपक्षी दल सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर लगाते आ रहे हैं मगर इसके लिए स्वयं उनसे बढ़ कर कोई और दोषी नहीं है। बड़ा कारण सभी विपक्षी दलों का पारिवारिक पार्टियों में तब्दील हो जाना भी है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में विपक्ष के पास 'मोदी' विरोध के अलावा कोई प्रखर मुद्दा नहीं है, इससे बढ़कर नकारापन क्या होगा? इसकी वजह यही नजर आती है कि समूचे विपक्ष के पास आज प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के कद के आसपास का भी कोई नेता नहीं है। लोकतन्त्र में हालांकि यह कहा जाता है कि व्यक्तियों से बढ़ कर संस्था या राजनीतिक दल का महत्व होता है परन्तु लोकतन्त्र के इस पवित्र व मूल सिद्धान्त को आजादी के बाद लगभग 60 साल तक राज करने वाली पार्टी कांग्रेस ने ही जड़ से समाप्त करने का प्रयास किया और स्वतन्त्रता आन्दोलन की विरासत के नाम पर एक ही परिवार के नाम सत्ता की चाबी रखने का ठेका छोड़ दिया। यदि भाजपा जैसा राष्ट्रवादी दल एवं नरेन्द्र मोदी जैसा कद्दावर का नेता नहीं उभरता तो जो स्थिति राजपक्षे परिवार ने श्रीलंका की है, वहीं स्थिति गांधी परिवार भारत की कर देता। मगर जब विपक्षी नेताओं ने ठान लिया है कि वे श्री मोदी के शब्दों, योजनाओं एवं नीतियों की बाल की खाल निकालेंगे तो सिर्फ उनकी बुद्धि पर तरस खाया जा सकता है। संसद में असंसदीय शब्दावली की जो पुस्तिका प्रकाशित की गई है उस पर सर्वदलीय बैठक बुला कर विचार करने की भी सख्त जरूरत है क्योंकि भाषा का सम्बन्ध लोकतन्त्र में जन अपेक्षाओं से ही होता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने

सांसदों से अपेक्षा की है कि वे मर्यादा के भीतर अपनी बात रखें। उन्होंने कहा है कि संसद की कार्रवाई में किसी शब्द पर प्रतिबंध नहीं है। यही कारण है कि जुमलाजीवी, बाल बुद्धि सांसद, शकुनी, जयचन्द, लॉलीपॉप, चाण्डाल चौकड़ी, गुल खिलाए, तानाशाह, भ्रष्ट, ड्रामा, अक्षम, पिट्ठू जैसे शब्द लोकसभा में गूंजते रहे हैं।

आज देश में विपक्ष के पास खासकर कांग्रेस या किसी भी दल के पास कोई प्रभावी नेतृत्व नहीं है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिये अपनी स्वतंत्र सोच को उभार सकें। भाजपा और संघ परिवार पर वार करने लिए कोई धारधार हथियार भी इनके पास नहीं है। सब ये जानते हैं कि भाजपा को अब हरा पाना इनके बूते की बात है। इस तरह की संभावनाओं को तलाशने के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी। आज विपक्ष अस्तित्वविहीन होता जा रहा है। सशक्त विपक्ष के साथ प्रभावी, सक्षम, समर्थ एवं सर्वस्वीकार्य विपक्षी नेता भी लोकतंत्र की मूल आवश्यकता है। जैसाकि आजादी के बाद ताकतवर कांग्रेस पार्टी के शासन में विपक्ष बहुत तेजस्वी एवं प्रभावी रहा है। वही विपक्ष अपनी साफ, पारदर्शी, नैतिक एवं राष्ट्रवादी राजनीतिक मूल्यों के बल पर आज स्पष्ट बहुमत से शासन कर रहा है। आजादी दिलाने वाली पार्टी कांग्रेस को चुनौती देना जटिल था परन्तु उस दौर में कांग्रेस के खिलाफ खड़े हुए अधिसंख्य राजनीतिक दलों की कमान भी आजादी के नायकों के पास ही थी अत: संसद में कम संख्या में रहने के बावजूद एक से बढ़ कर एक नेता विपक्षी दलों के पास थे। इनमें से कुछ नाम प्रमुख हैं-आचार्य कृपलानी, डा. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेन्द्र देव, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, प्रोफेसर एम.जी. कामथ, नाथ पै तथा जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और वीर सावरकर। उस दौर में विपक्ष ने अपनी सार्थक भूमिका से लोकतंत्र को मजबूती दी। लेकिन आज विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निर्वाह करने में असफल हो रहे हैं। क्योंकि दलों के दलदल वाले देश में दर्जनभर से भी ज्यादा विपक्षी दलों के पास कोई ठोस एवं बुनियादी मुद्दा नहीं रहा है, देश को बनाने का संकल्प नहीं है, उनके बीच आपस में ही स्वीकार्य नेतृत्व का अभाव है जो विपक्षी नेतृत्व की विडम्बना एवं विसंगतियों को ही उजागर करता है। ऐसा लग रहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अब नेतृत्व की नैतिकता एवं नीतियों को प्रमुख मुद्दा न बनाने के कारण विपक्ष नकारा साबित हो रहा है, अपनी पात्रता को खो रहा है, यही कारण है कि न विपक्ष मोदी को मात दे पा रहे हैं और न ही सार्थक विपक्ष का अहसास करा पा रहे हैं। भाजपा एवं मोदी का कोई ठोस विकल्प पेश करने को लेकर विपक्ष गंभीर नहीं हैं, वे अवसरवादी राजनीति की आधारशिला रखने के साथ ही जनादेश की मनमानी व्याख्या करने, मतदाता को गुमराह करने की तैयारी में ही लगे हैं। इन्हीं स्थितियों से विपक्ष की भूमिका पर सन्देह एवं शंकाओं के बादल मंडराने लगे।

क्या देश के अंदर विपक्ष को खत्म करने की साजिश हो रही है? क्या इसके लिए सत्ता की ताकत का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है? भाजपा पर लग रहे ये आरोप निराधार एवं भ्रामक हैं। यह कहना बिल्कुल भी उचित नहीं है कि भारत की राजनीति विपक्ष विहीन हो चुकी है, मनोबल अवश्य टूटा है, अतीत के दाग पीछा कर रहे हैं लेकिन विपक्ष विहीन भारतीय राजनीति की स्थिति जब भी बनेगी, संभवत: लोकतंत्र भी समाप्त हो जायेगा। विपक्ष की कमजोर एवं नकारा स्थिति के लिये भाजपा या मोदी को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं है। विपक्ष अपनी इस दुर्दशा के लिये खुद जिम्मेदार है। विपक्ष वैचारिक, राजनीतिक और नीतिगत आधार पर सत्तारूढ़ दल का विकल्प प्रस्तुत करने में नाकाम रहा है। उसने सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना की, पर कोई प्रभावी विकल्प नहीं दिया। किसी और को दोष देने के बजाय उसे अपने अंदर झांककर देखना चाहिए। मुद्दा विहीनता उसके लिए इतनी अहम रही है कि कई बार राष्ट्रीय मुद्दों पर उसने जुबान भी नहीं खोली। लोकतंत्र तभी आदर्श स्थिति में होता है जब मजबूत विपक्ष होता है। क्यों नहीं विपक्ष सीबीआई, आरबीआई जैसे मुद्दों को उठाता, आम आदमी महंगाई, व्यापार की संकटग्रस्त स्थितियां, बेरोजगारी आदि समस्याओं से परेशान हो चुका है, वह नये विकल्प को खोजने की मानसिकता बना चुका है, जो विपक्षी नेतृत्व के उद्देश्य को नया आयाम दे सकता है, क्यों नहीं विपक्ष इन स्थितियों का लाभ लेने को तत्पर होता। बात केवल विपक्ष की ही न हो, बात केवल मोदी को परास्त करने की भी न हो, बल्कि देश की भी हो तभी विपक्ष अपनी इस दुर्दशा से उपरत हो सकेगा। वह कुछ नयी संभावनाओं के द्वार खोले, देश-समाज की तमाम समस्याओं के समाधान का रास्ता दिखाए, सुरसा की तरह मुंह फैलाती महंगाई, गरीबी, अशिक्षा, अस्वास्थ्य, बेरोजगारी और अपराधों पर अंकुश लगाने का रोडमेप प्रस्तुत करे, सरकार की नयी आर्थिक नीतियों से आम आदमी एवं कारोबारियों को हो रही परेशानियों को उठाए तो उसकी स्वीकार्यता स्वयंमेय बढ़ जायेगी। व्यापार, अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई, ग्रामीण जीवन एवं किसानों की खराब स्थिति की विपक्ष को यदि चिंता है तो इसे दिखना चाहिए। पर विपक्ष केंद्र या राज्य, दोनों ही स्तरों पर सरकार के लिये चुनौती बनने की बजाय केवल खुद को बचाने में लगा हुआ नजर रहा है। वह अपनी अस्मिता की लड़ाई तो लड़ रहा है पर सत्तारूढ़ दल को अपदस्थ करने की दृढ़ इच्छा उसने नहीं दिखाई। कांग्रेस ने भारतीय लोकतन्त्र में धन की महत्ता को 'जन महत्ता' से ऊपर प्रतिष्ठापित किये जाने के गंभीर प्रयास किये, जिसके परिणाम उसे भुगतने पड़ रहे हैं।

मीडिया में सामाजिक विचारों को मंथन करने शक्ति

पुखराज प्राज

खबर यानी सूचनात्मक विवरण जो कोई असाधारण घटना, क्रियाकलाप, जिसमें नयापन हो और आम आदमी को उसकी जानकारी नहीं हो और जन कल्याण के उद्देश्य से संचार के माध्यम उसे प्रसारित कर रहे हों, तो उसे समाचार कहा जाता है। प्रात:काल के समाचार पत्र की प्रतीक्षा से लेकर टीवी चैनलों में प्रसारित होने वाले समाचार चैनलों के ब्रेकिंग न्यूज़ तक हर कहीं सूचना का विस्फोट होते रहता है। जिसके लिए प्रत्येक व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन खबरों तक पहुँच रखता है। पत्रकारिता जो लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। चौथी खंभा शब्द वकालत की स्पष्ट क्षमता और राजनीतिक मुद्दों को तैयार करने की निहित क्षमता दोनों में प्रेस और समाचार मीडिया है। भारत वर्ष में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की 31 अक्टूबर 2017 की रिपोर्ट कहती है की उक्त तिथि तक भारत में 389 चैनल न्यूज और करेंट अफेयर्स कैटेगरी में संचालित हैं। यही नहीं भारत दुनिया का सबसे बड़ा समाचार पत्र बाजार है। जहाँ प्रत्येक दिन 100 मिलियन से अधिक प्रतियां बिकती हैं। अखबारों और मीडिया संस्थानों में हजारों की संख्या में पत्रकार सूचनाओं के इस क्षेत्र में लगे हैं। जिनके द्वारा छोटी सी छोटी घटना, कार्यक्रम और विभिन्न सूचनाओं को ग्राउंड जीरो से उठाकर गंभीरता के अनुरूप 135 करोड़ की जनसंख्या के बीच परोसा जाता है। एडेलमैन ट्रस्ट बैरोमीटर के द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों जैसे राजनीति, संस्थान, मीडिया, शासन के संदर्भ में लोगों की विश्वसनीयता के आधार पर रैंकिंग रिपोर्ट उपलब्ध कराया जाता है। इस रिपोर्ट में अशांति और अनिश्चितताओं से चिह्नित एक अद्वितीय वर्ष के बाद हुए परिवर्तन के कई कारकों पर प्रकाश डालता है। 2021 एडेलमैन ट्रस्ट बैरोमीटर 19 अक्टूबर से 18 नवंबर, 2020 के बीच भारत सहित 28 वैश्विक बाजारों में 33,000 उत्तरदाताओं के बीच आयोजित किया गया था। जिसमें भारतीय मीडिया के पर 69 फिसदी लोग मीडिया खबरों पर विश्वास एवं रखते हैं। सीधे अर्थ में कहें तो भारतीय जनमानस एक बड़ा तबके के लिए मीडिया के द्वारा चलाए जा रहे समाचार, सूचना तंत्र पर भरोसा रखते हैं। यानी मीडिया में जो खबरे चलाई जाती हैं। उनका दर्शकों के मन-पटल पर अवश्य ही प्रभाव पड़ता है। चैनलों पर प्रस्तुत की जाने वाली सभी प्रसारणों से सीधे-सीधे आम लोग जुड़े रहते हैं। इस प्रसारणों के दौरान निरर्थक चर्चाओं में टीवी रेटिंग बढ़ाने के उद्देश्य से शब्दों की गरिमा को तार-तार किया जाता है। वहीं मीडिया में परोसी जा रही शोध रहित, स्तरहीन, सनसनीखेज खबरों से लेकर असभ्य वार्तालाप, असंस्कारी आचरण, शाब्दिक पत्थरबाजियों और नकारात्मकता से देश का टेलीविज़न दर्शक, श्रोता परेशान हो रहे हैं। परिणामस्वरूप समाज में वैमनस्य, आक्रोश, आपसी नफरत, वैचारिक, व्यावहारिक, मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रदूषण फैल रहा है। जिसे हम सभी अनुभव तो कर रहे हैं, परंतु व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं। अप्रत्यक्ष रूप से सोची-समझी साजिश से जैसे हमारी मानसिकता तथा जीवन परिवेश को बदलने का कोई विचारधारा के संकेत देखने को मिलते हैं। जहाँ बड़ी-बड़ी घटनाओं को संख्यात्मक बाहुल्यता और अल्पता के मापनी से माप कर मुद्दे बनाने की रणनीति से भारी परिवर्तन देखने को मिलता है। जहाँ एक वर्ग शोषित तो दूसरे वर्ग में अपमानित, अवक्षेपण का संतति का विकास हो जाता है। जो सामाजिक ढांचा पर एकता को विघटित करने के प्रयासों के रूप में देखा जा सकता है। ऐसा भी नहीं है की पूरी मीडिया पर दोषारोपण किया जाये लेकिन, बढ़ते फर्जी खबरों और वैमनस्य विचारों के पीछे मार्केटिंग स्ट्रेटजी के समीकरणों में टीआरपी तलाशते प्रबंधकों के कारण मीडिया स्तर गिरने लगा है। वहीं बार-बार किसी विषय की खीझ कहीं ना कहीं समस्या को जन्म देने के लिए कारक की भूमिका निभाती है। यही कारण है की संतुलन की अवस्था में भी कई ऐसे पक्ष होते हैं, जो वैचारिक मतभेद को जन्म देने का प्रयास करते हैं।

'स्वच्छता' का संकल्प लें तीर्थयात्री

-ओम प्रकाश उनियाल

उत्तराखंड में आजकल चारधाम, हेमकुंड साहिब व कांवड़ यात्रा चल रही है। हर यात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़-भाड़ का उमड़ना स्वभाविक बात है। श्रद्धा और आस्था के भाव के साथ देवभूमि में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। अन्य प्रख्यात धार्मिक स्थलों पर भी भक्तगण काफी संख्या में आते ही रहते हैं। मध्य हिमालय ऋषि-मुनियों की तपस्थली होने के साथ-साथ देवस्थली भी है। अनेकों देवालय यहां स्थित हैं। इसीलिए उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। पवित्र गंगा-यमुना का उद्गम-स्थल, बद्री-केदार, हरिद्वार आदि देवस्थलों वाली भूमि के दर्शन से भला कौन वंचित रहना चाहेगा? लेकिन चिंता इस बात की है कि इन पवित्र स्थलों की पवित्रता बनाए रखने में कोई सहयोग नहीं करता। नदियों व धार्मिक स्थलों के आसपास का वातावरण तो दूषित किया ही जाता है यात्रा-मार्गों पर भी जगह-जगह प्लास्टिक व अन्य प्रकार का कचरा नजर आता है। जबकि, स्वच्छता बनाए रखें के बोर्ड भी यात्रियों को जागरूक करने के लिए गड़े रहते हैं। जिनकी तरफ कोई ध्यान ही नहीं देता। हिमालय देश का रक्षक होने के साथ-साथ तमाम प्राणियों व जीव-जंतुओं को जीवन भी दे रहा है। हिमालय से शुद्ध वायु का संचरण होता है, स्वच्छ जल-धाराएं निकलती हैं। जिन्हें बेहिचक और बेधड़क प्रदूषित किया जा रहा है। जिसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिकीय-तंत्र पर पड़ रहा है। केवल धार्मिक-यात्रा करने वाले ही नहीं बल्कि घूमने के उद्देश्य से आने वाले भी स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेकर चलें तो निश्चित है कि हिमालय प्रदूषण-मुक्त हो जाएगा। आखिर कब तक हिमालय प्रदूषण का बोझ ढोता रहेगा?

चिंता का सबब बनता वर्षा पैटर्न में आता बदलाव

योगेश कुमार गोयल

मानसून की शुरूआत से ही इस साल देश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश, बाढ़, बादल फटने, बिजली गिरने और भू-स्खलन से तबाही का सिलसिला अनवरत जारी है। पहाड़ों पर आसमानी आफत टूट रही है तो देश के कई इलाके बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। असम के बाद गुजरात तथा महाराष्ट्र भी अब बाढ़ के प्रकोप से त्रस्त हैं, जहां अब तक बाढ़ के शिकार होकर सैंकड़ों लोग मौत के आगोश में समा चुके हैं। देशभर के अनेक इलाकों में नदियां और जलाशय उफान पर हैं। हालांकि उत्तर भारत के कई इलाके मानसूनी बारिश के लिए अब तक तरस रहे हैं। कमोवेश हर साल मानसून के दौरान विभिन्न राज्यों में अब इसी प्रकार का नजारा देखा जाने लगा है। निसंदेह यह सब पर्यावरण असंतुलन का ही दुष्परिणाम है, जिसके कारण मानूसन से होती तबाही की तीव्रता साल दर साल बढ़ रही है। मानसून का मिजाज इस कदर बदल रहा है कि जहां मानसून के दौरान महीने के अधिकांश दिन अब सूखे निकल जाते हैं, वहीं कुछेक दिनों में ही इतनी बारिश हो जाती है कि लोगों की मुसीबतें कई गुना बढ़ जाती हैं। दरअसल वर्षा के पैटर्न में अब ऐसा बदलाव नजर आने लगा है कि बहुत कम समय में ही बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है, जो प्राय: भारी तबाही का कारण बनता है। मानसून प्रकृति प्रदत्त ऐसा खुशनुमा मौसम है, भीषण गर्मी झेलने के बाद जिसकी बूंदों का हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। यह ऐसा मौसम है, जब प्रकृति हमें भरपूर पानी देती है किन्तु पानी की कमी से बूरी तरह जूझते रहने के बावजूद हम इस पानी सहेजने के कोई कारगर इंतजाम नहीं करते और बारिश का पानी व्यर्थ बहकर समुद्रों में समा जाता है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक एक समय था, जब हर कहीं बड़े-बड़े तालाब और गहरे-गहरे कुएं होते थे और पानी अपने आप धीरे-धीरे उनमें समा जाता था, जिससे भूजल स्तर भी बढ़ता था लेकिन अब विकास की अंधी दौड़ में तालाबों की जगह ऊंची-ऊंची इमारतों ने ले ली है, शहर कंक्रीट के जंगल बन गए हैं, अधिकांश जगहों पर कुओं को मिट्टी डालकर भर दिया गया है। दरअसल हमारी फितरत कुछ ऐसी हो गई है कि हम मानसून का भरपूर आनंद तो लेना चाहते हैं किन्तु इस मौसम में किसी भी छोटी-बड़ी आपदा के उत्पन्न होने की प्रबल आशंकाओं के बावजूद उससे निपटने की तैयारियां ही नहीं करते। इसीलिए बदइंतजामी और साथ ही प्रकृति के बदले मिजाज के कारण अब प्रतिवर्ष प्रचण्ड गर्मी के बाद बारिश रूपी राहत को देशभर में आफत में बदलते देर नहीं लगती और तब मानसून को लेकर हमारा सारा उत्साह छू-मंतर हो जाता है। हालांकि 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' का शोर तो सालभर बहुत सुनते हैं लेकिन ऐसी योजनाएं सिरे कम ही चढ़ती हैं। इन्हीं नाकारा व्यवस्थाओं के चलते चंद घंटों की मूसलाधार बारिश में ही दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बेंगलुरू जैसे बड़े-बड़े शहरों में भी सड़कें दरिया बन जाती हैं और जल-प्रलय जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह कोई इसी साल की बात नहीं है बल्कि हर साल यही नजारा सामने आता है लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा ऐसे पुख्ता इंतजाम कभी नहीं किए जाते, जिससे बारिश के पानी का संचयन किया जा सके और ऐसी समस्याओं से निजात मिले। दरअसल हमारी व्यवस्था का काला सच यही है कि न कहीं कोई जवाबदेह नजर आता है और न ही कहीं कोई जवाबदेही तय करने वाला तंत्र दिखता है। हर प्राकृतिक आपदा के समक्ष उससे बचाव की हमारी समस्त व्यवस्था ताश के पत्तों की भांति ढ़ह जाती है। ऐसी आपदाओं से बचाव तो दूर की कौड़ी है, हम तो मानसून में सामान्य वर्षा होने पर भी बारिश के पानी की निकासी के मामले में साल दर साल फेल साबित हो रहे हैं।

छह महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं की पहचान कर सकारात्मक साझा हित एजेंडा स्थापित

वैश्विक अनिश्चितता के बढ़ते दौर में जल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, परिवहन और स्पेस में संयुक्त निवेश बढ़ाने की सहमति सराहनीय क़दम - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के बढ़ते रुतबे, प्रतिष्ठा, साख और आगाज़ से अब भारतीयों को गर्व से यह एहसास हो चला है कि भारत दुनिया का नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से चल पड़ा है और अपनी हर कोशिश में सफ़लता के झंडे गाड़ रहा है और देश को गौरवविंत करते हुए प्रतिष्ठा में चार चांद लगा रहा है!!उसमें दिनांक 14 जुलाई 2022 को एक अध्याय और जुड़ गया जब भारत, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका (यूएएस) चार देशों आईटूयूटू द्वारा पश्चिमएशिया क्वाड बनाकर इस समूह को आईटूयूटू का नाम दिया गया है। इसमें आई शब्द का इस्तेमाल इंडिया और इस्राइल के लिए और यू का अमेरिका और युनाइटेड अरब अमीरात के लिए है। चारों देशों के नाम के पहले अक्षर को मिलाकर संगठन का यह नाम रखा गया है। अपने पहले शिखर सम्मेलन में वैश्विक अनिश्चितता के बढ़ते दौर में जल स्वास्थ्य खाद्य सुरक्षा ऊर्जा परिवहन और स्पेस में संयुक्त निवेश बढ़ाने पर सहमति देखकर सकारात्मक एजेंडा स्थापित किया जो, दुनिया को बेहतरी में बदलने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से 14 जुलाई को संपन्न हुए आईटूयूटू शिखर सम्मेलन पर पीआईबी की सहायता से उपलब्ध जानकारी से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आईटूयूटू को समझने की करें तो, आईटूयूटू का मतलब भारत, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका (यूएस) है। भारत में यूएई के राजदूत की ओर से इसे %पश्चिम एशियाई क्वाड% के रूप में भी जाना जाता है। दरअसल, अक्टूबर 2021 में जब भारत के विदेश मंत्री इज़राइल के दौरे पर थे, तब चार देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। उस समय इस ग्रुप को %आर्थिक सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच% कहा जाता था। इस समूह का मुख्य मकसद पारस्परिक हित के सामान्य क्षेत्रों, संबंधित क्षेत्रों और उसके बाहर व्यापार और निवेश में आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा करना है।

साथियों बात अगर हम इजराइल के वर्चुअल मेज़बानी से संपन्न आईटूऊटू में सहमति एजेंडे पर माननीय पीएम के वर्चुअल संबोधन की करें तो,उन्होंने बताया आईटूयूटू फ्रेमवर्क के तहत जल, ऊर्जा, परिवाहन, स्वास्थ्य, स्पेस और खाद्य सुरक्षा के लिए छह महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त निवेश बढ़ाने के लिए सहमत हुए हैं। उनके मुताबिक, बढ़ती वैश्विक अनिश्चिताओं के बीच हमारा कॉपरेटिव फ्रेमवर्क व्यावहारिक सहयोग का एक अच्छा मॉडल है। पूरा विश्वास है कि आईटूयूटू से हम वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सुरक्षा, खाद्यसुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। उन्होंने आईटूयूटू वर्चुअल शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा, आज की इस पहली समिट से ही आईटूयूटू ने एक पॉजिटिव (सकारात्मक) एजेंडा स्थापित कर लिया है। हमने कई क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाएं की पहचान की है और उनमें आगे बढ़ने का रोडमैप भी बनाया है।

साथियों बात अगर हम साथी देशों के संबोधन की करें तो उन्होंने कहा, दुनिया को बेहतर के लिए बदलना चाहते हैं हम, समूह की पहली नेताओं की बैठक में इज़राइल के पीएम भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा, वास्तविक समाधान केवल उन देशों के माध्यम से आएगा, जो संसाधनों को एक साथ लाना जानते हैं। हम दुनिया को बेहतर के लिए बदलना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य निजी बाजार को भागीदार बनाना है। चार अलग-अलग देश होने के बावजूद यह स्पष्ट है कि हम सभी एक ही चीज चाहते हैं, जिसमें बुनियादी ढांचे का विकास, बच्चों केलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा शामिल है और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करना है।

वहीं, समूह की पहली नेताओं की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी बात रखते हुए कहा- आज हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं उनमें तेजी से जलवायु संकट या बढ़ती खाद्य असुरक्षा शामिल है,यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर हमले से अस्थिर बाजारों को और भी बदतर बना दिया गया है।

साथियों एक बात मानना पड़ेगा आज के आईटूयूटू ने इतने कम समय में जबरदस्त संकल्प, साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए साथ मिलकर भाईचारा करके वैश्विक कल्याण के लिए काम करने की इच्छाशक्ति, विषय वस्तु को चुनकर पूरी दुनिया के लिए मजबूत साझेदारी का गठजोड़ किया है। इन देशों के आर्थिक रिश्ते पहले से ही बहुत अच्छे हैं साथ मिलकर काम करने की बहुत अच्छी शुरुआत हुई है। चार देशों की भूमिका अहम होगी। चुनौती पूर्ण भरे छह विषयों पर दुनिया को सहयोग की आवश्यकता है। अमेरिका के डिप्टी एनएसए ने बहुत सकारात्मक संदेश सम्मेलन के पहले ही दे दिए थे।

ग्रीन टेक्नोलॉजी संकल्पों के हिसाब से भारत के बढ़ते हुए चमक-दमक को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि वैश्विक स्तरपर भारत के बिना कोई हल निकलने की गुंजाइश कम होती जा रही है। भारत के वैश्विक स्तरपर आगाज़ को रेखांकित करना होगा। भारत की भूमिका यूरोप और इजराइल के साथ एक सेतु की है और पूरे संदर्भ में भारत एक बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पहले नवोदित आईटूयूटू शिखर सम्मेलन का जबरदस्त आगाज़ हुआ हैं। महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं की पहचान कर सकारात्मक साझा हित एजेंडा स्थापित किया गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बढ़ते दौर में जल स्वास्थ्य खाद्य सुरक्षा ऊर्जा परिवहन और स्पेस में संयुक्त निवेश बढ़ाने की सहमति सराहनीय क़दम है।

तब और अब का अंतर!

जब नहीं था हमारे पास अलार्म,
स्वयं से याद रखते थे सारे काम,
ना था मोबाइल फोन और व्हाट्सएप,
मिलते थे अपनों से, सुबह, शाम!

अनजानो से हालचाल पूछते हैं फेसबुक पर,
नहीं पता क्या हो रहा है, स्वयं के घर,
अपनों के लिए बिल्कुल समय नहीं,
नई पीढ़ी में आया कैसा असर!

बारिश की बूंदे और ठंडी हवा को छोड़,
ना सूरज की किरणें ना ही भागदौड़,
प्रकृति को महसूस करने की क्षमता हो गई कम,
यह जीवन का हे कौन सा मोड़!

गर्मी में ए.सी, ठंड में हीटर,
गर्मी में फ्रिज तो ठंड में गीजर,
शारीरिक शक्ति हो गई कम,
ना चल पाए हम दो-चार किलोमीटर!

देखें पूरी दुनिया को यूट्यूब मैं,
पढ़ाई करें मोबाइल के ई बुक में,
आंखों मैं कमजोरपन, सर्वाइकल और डिप्रेशन,
शरीर से नहीं ताकतवर पर दिमाग खूब है!

शार्ट न्यूज

हिंदू लड़के से मुस्लिम लड़की ने मंदिर में की शादी

आजमगढ़। आजमगढ़ के अतरौलिया में प्यार के आगे धर्म की दीवार भी टूट गई। हिंदू लड़के के साथ मुस्लिम लड़की ने मंदिर में सात फेरे लिये। दो साल से दोनों का मिलना जुलना था और प्यार परवान चढ़ रहा था। दोनों धर्मों के लोग भी शादी के गवाह बने। परिवार को किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े इसकी तसल्ली दिलाने पुलिस भी लड़के के घर पहुंची। खानपुर फतेह निवासी जोखू के बेटे सूरज को दो साल पहले हैदरपुर खास गांव की एक मुस्लिम लड़की मोमिन खातून से प्यार हो गया। धीरे धीरे प्यार परवान चढ़ने लगा तो दोनों एक दूसरे से छिप छिपकर मिलने लगे। आपस में शादी की बातें तो की लेकिन अलग अलग धर्मों का होने के कारण दिक्कतों को लेकर भी परेशान हुए। प्यार के आगे परेशानियों को कबूल करने की दोनों ने तैयारी भी कर ली। सूरज ने धर्म की दीवार को तोड़कर मुस्लिम लड़की को अपना बनाने की जिद ठान ली। परिवार वालों से भी बातचीत की। वहां से मंजूरी मिली तो हिंदू रीति रिवाज से मंदिर में शादी करने की तैयारी हुई। गुरुवार को स्थानीय सम्मो माता मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। प्यार से आगे धर्म की दीवार टूटने और दोनों की शादी इलाके में चर्चा का विषय बन गई।

बरेली में आरएसएस नेता से मारपीट मामले में दो दरोगा समेत 6 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में आरएसएस नेता की पिटाई मामले में एसएसपी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज के निर्देश पर दो दरोगा समेत 6 अज्ञात पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिक मथुरा में आरएसएस के जिला प्रचारक आर्येंद्र ने सुभाषनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें उसने बताया कि वो पनी बीमार मां को देखने बरेली आए थे। रास्ते में उन्हें किसी का फोन आया तो वो फोन पर बात करने लगे। आर्यन का आरोप है कि इस बीच सुभाषनगर थाने में तैनात दरोगा ने उनके साथ अभद्रता की। उनका ये भी आरोप है कि विरोध करने पर दरोगा ने आधा दर्जन पुलिस वालों को बुला लिया और उन्हें जबरन गाड़ी में डालकर एक खंडहर ले गए। यहां उनके साथ मारपीट की गई और उनका एनकाउंटर करने की धमकी भी दी गई। आर्येंद्र का आरोप है कि पुलिसवालों ने तीन घंटे तक बंधक बनाकर उनकी पिटाई की। संघ नेता के साथ मारपीट की घटना सामने आते ही संघ के लोगों ने करनेगा पुलिस चौकी पर जमा होकर जमकर हंगामा किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मामला बढ़ता देख देर रात तक आला अधिकारियों ने आरोपी दारोगा को चौकी से हटा दिया लेकिन आरएसएस नेता आरोपी दरोगा को बर्खास्त करने की मांग करते रहे।

रजिस्टर की तकिया बनाकर दफ्तर में ही सो गया लाइनमैन, फोटो हो रही वायरल

कानपुर। कानपुर में बिजली उपकेंद्र की एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें एक लाइनमैन रजिस्टर को ही अपना तकिया बनाकर सो रहा है। उसके बगल में बाबू बैठकर काम कर रहे हैं। मामला सर्वोदय नगर डिवीजन में तैनात लाइनमैन रवींद्र गौर का है। अफसरों ने भी वायरल फोटो का संज्ञान लिया है। शुक्रवार की सुबह इस प्रकरण में जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। हिन्दुस्तान इस वायरल फोटो की पुष्टि नहीं करता है। केस्को अफसरों ने बताया कि लाइनमैन अधिकतर ड्यूटी के दौरान दफ्तर में ही सो जाता है। इसकी पहले भी शिकायतें हुई हैं। केस्को के मीडिया प्रभारी सीएस अंबेडकर ने बताया कि इसकी जानकारी हुई है, अधिशाषी अभियंता से पूरे प्रकरण की जांच करके रिपोर्ट देने को कहा है। लाइनमैन की तबीयत खराब थी या फिर कोई अन्य कारण, इसका खुलासा तो जांच रिपोर्ट में ही होगा। उधर् केस्को के व्हाट्सग्रुप में लाइनमैन के सोने की फोटो वायरल होने से अफसरों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। इस बात की भी जांच की जाएगी कि फोटो किसने वायरल किया है।

युवक ने एसपी ऑफिस में की आत्महत्या की कोशिश, पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में दबंगों से परेशान एक युवक शुक्रवार को एसपी ऑफिस में जहर लेकर आत्महत्या को पहुंच गया। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एलआईयू के लोगों ने युवक को पकड़ लिया और काफी मिन्नतों के बाद उसे एसपी से मिलवाया। एसपी ने पूरी बात सुनने के बाद जांच कर कार्यवाई के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, शाहजहांपुर के मोहल्ला सराय काइयां निवासी अवनीश गुप्ता अपनी पत्नी के साथ शुक्रवार को एसपी आफिस पहुंचा। अवनीश ने हाथ में जहर की पुड़िया लेकर आत्महत्या की कोशिश की। एलआईयू व पुलिस काफी मशक्कत कर रोका। इसके बाद उसे एसपी के पास ले गए। युवक ने एसपी को बताया कि पड़ोस में रहने वाले दबंगों और उनके घर की महिलाओं ने उसका जीना दूभर कर दिया है। इतना ही नहीं, वह मुझे आत्महत्या के लिए भी उकसाते हैं। पीड़ित युवक की बात सुनकर एसपी साहब ने दबंगों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

माटरसाइकिल पर गिरा हाईटेंशन लाइन का तार, युवक की दर्दनाक मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर में एक मोटरसाइकिल सवार युवक की बिजली के हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अमावाखुर्द गांव निवासी शिवकुमार (38) गुरुवार को देर रात माटरसाइकिल से घर जा रहा था। सराय मोहिउद्दीनपुर पट्टी– नरेन्द्रपुर मार्ग पर मुस्तफाबाद गांव के पास मोटरसाइकिल के ऊपर हाईटेंशन तार अचानक टूट कर गिर गया। तार की चपेट में आने से मोटरसाइकिल आग का गोला बना गई। पुलिस ने आगे बताया कि आग और करेंट की चपेट में आये युवक ने तड़प–तड़प कर दम तोड़ दिया। युवक चीखता–चिल्लाता रहा लेकिन कोई कुछ नहीं कर सका। सूचना के बावजूद बिजली आपूर्ति बंद होने में 15 मिनट का समय लगा। तबतक युवक ने दम तोड़ दिया था। बाइक जलकर खाक हो गई थी। इस बार भी तार टूटने के पीछे लोग बिजली विभाग को दोष दे रहे हैं। मृतक शाहगंज स्थित एक होटल में नौकरी करता था। गुरुवार रात ड्यूटी खत्म होने के बाद बाइक से अपने घर जा रहा था।

बेटी के प्रेम संबंध से नाराज था पिता, गला काटकर की हत्या; आरोपी अरेस्ट

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक पिता ने अपनी बेटी की गला काट कर हत्या कर दी। हत्यारोपी पिता अपनी बेटी के प्रेम संबंध से नाराज था। वारदात के बाद सूचना पर घटनास्थल पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा, पुलिस ने लड़की का शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा दिया है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अखिलेश नारायण ने बताया फिरोजाबाद के तिलक नगर निवासी मनोज राठौड़ की बेटी रूचि (19) का किसी युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बारे में पता चलने पर मनोज राठौड़ ने बेटी से प्रेमी से मिलना जुलना बंद करने और संबंध तोड़ने की बात कही। लेकिन रूचि ने पिता की बात नहीं मानी। इस बात से गुस्से में आकर मनोज ने अपनी बेटी की हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शुक्रवार को मनोज गुस्से में आकर बेटी को अपने मकान की ऊपर वाले कमरे में ले गया और वहां उसकी धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। पुलिस ने मौके से आरोपी व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिया।

पीएम आज करेंगे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे, जो अविकसित बुंदेलखंड क्षेत्र में चित्रकूट को इटावा के पास लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। यह उत्तर प्रदेश का चौथा एक्सप्रेस–वे है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को 28 महीने के भीतर पूरा किया गया है, जो इसकी समय सीमा से आठ महीने पहले है। पीएम मोदी ने फरवरी 2020 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे चार लेन का एक्सप्रेसवे है जिसे इस तरह बनाया गया है कि इसे छह लेन तक बढ़ाया जा सके।

छह जिलों इटावा, औरैया, जालौन, महोबा, बांदा और हमीरपुर को कवर करते हुए एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड में चित्रकूट जिले के भरतकूट क्षेत्र के पास गोंडा गांव में खत्म होगा। एक

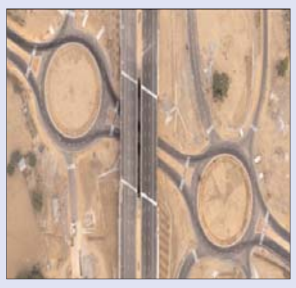

तरफ 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस लेन भी होगी। एक्सप्रेसवे में 286 छोटे पुल और 18 बड़े पुल के साथ चार रेल पुल होंगे। छह टोल प्लाजा, नौ फ्लाईओवर, सात रैंप प्लाजा और 224 अंडरपास भी होंगे। भू–जल विभाग से प्रत्येक 500 मीटर पर वर्षा जल संचयन का प्रावधान किया गया है और एक्सप्रेस–वे के किनारे 7 लाख पेड़ लगाए जाएंगे।

एक अधिकारी ने कहा कि पूरी परियोजना को छह पैकेजों में विभाजित किया गया था और परियोजना को पूरा करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य के साथ इनमें से प्रत्येक पैकेज के लिए डेवलपर्स का चयन किया गया था। अधिकारी ने कहा कि अधिकांश परियोजना कोविड –19 महामारी के दौरान पूरी हुई थी और कई प्रवासी श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया था, जो उत्तर प्रदेश लौट आए थे। पीएम मोदी 16 जुलाई को बुंदेलखंड के जालौन जिले की उरई तहसील के कैथेरी गांव से परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे को बनाने में 14,850 करोड़ रुपये की लागत आई थी। कहा जा रहा है कि यह परियोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार के पास इस एक्सप्रेसवे परियोजना के साथ बुंदेलखंड क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षी योजना है। अगले चरण में, सरकार बांदा और जालौन जिलों में एक्सप्रेसवे के साथ औद्योगिक केंद्र विकसित करने की योजना बना रही है।

लुलु मॉल में सुंदरकांड का पाठ करने जा रहे बजरंग दल कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

लखनऊ। लखनऊ में बने देश के सबसे बड़े मॉल में नमाज को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दो लोग नमाज पढ़ते नजर आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये वीडियो भी लुलु मॉल का है जहां पिछले दिनों करीब आधा दर्जन लोगों के नमाज पढ़ने के बाद विवाद हुआ था। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकती है। दूसरी तरफ बजरंग दल के लोग लुलु मॉल में नमाज पढ़ने की घटना को लेकर गुस्से में हैं। गौरतलब है कि हाल ही में खुले लुलु मॉल में नमाज पढ़ने को लेकर विवाद हुआ था। हिंदू संगठनों ने सवाल उठाया था कि क्या मॉल में कोई धार्मिक गतिविधि की जा सकती है? सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर खूब चर्चा हुई थी। कुछ लोग मॉल में नमाज को सही ठहरा रहे थे तो कुछ लोग इसे गलत बता रहे थे। इस मामले पर मॉल अधिकारियों ने भी बयान जारी कर कहा था कि वो मॉल के भीतर किसी भी धार्मिक गतिविधि की इजाजत नहीं देंगे।

कानपुर में बॉक्सिंग खिलाड़ी से सरेराह छेड़खानी

अपहरण का प्रयास, चार युवकों को किया पुलिस के हवाले

कानपुर। कानपुर में चकेरी के श्याम नगर में नाबालिग बॉक्सिंग की खिलाड़ी से एसयूवी सवार युवकों ने सरेराह छेड़खानी की और जबरन कार में बैठाकर अगवा करने की कोशिश की। शोर मचाने पर राहगीरों ने आरोपितों को रोका और पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया।

श्याम नगर निवासी किशोरी के पिता के अनुसार घर के पास ही उनका जिम है। 16 वर्षीय बेटी बॉक्सिंग की खिलाड़ी है और इंटर की पढ़ाई भी कर रही है। वह बुधवार शाम घर से जिम जाने के लिए निकली थी। जिम के पास ही एसयूवी सवार चार युवकों ने हॉर्न बजाकर उसे परेशान करने लगे और गाड़ी से उसका पीछा किया।

विरोध जताने पर गाड़ी से उतरे और बेटी से छेड़खानी करने लगे। शोर मचाने पर छात्रा को जबरन कार में बैठा लिया और भागने लगे। छात्रा के शोर मचाने पर राहगीरों और क्षेत्रीय लोगों ने किसी तरह से कार को रोका और आरोपितों को पीटकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपितों को हिरासत में ले लिया और कार समेत थाने ले गई।

थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपितों ने अपने नाम आकाश द्विवेदी, अमन द्विवेदी, अनुभव तिवारी और पीयूष दीक्षित बताए हैं। इनमें तीन तो चकेरी थाना क्षेत्र के ही हरजेंदरनगर के निवासी हैं, जबकि पीयूष उन्नाव का रहने वाला है। वह अमन का जीजा है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर सबके खिलाफ छेड़खानी, पाक्सो एक्ट, अपहरण समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। आरोपितों के पास से जो कार बरामद हुई है, उस पर लखनऊ का रजिस्ट्रेशन नंबर है। गाड़ी वे अपनी ही बता रहे हैं पर अपहरण की बात से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि गाड़ी का हॉर्न बजाने पर किशोरी ने इशारे से पीटने की धमकी दी थी। इसी पर विवाद हुआ था।

सोखा को बदमाशों ने सटाकर मारी गोली, शरीर के आर-पार हुई

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के सिठौली गांव में शुक्रवार की सुबह अज्ञात बदमाशों ने एक सोखा को गोली मार दी। सोखा या झाड़–फूंक करने वाले बाबा को सटाकर गोली मारी गई। उसके बाद बदमाश तमंचा लहराते भाग गए। सोखा की हालत नाजुक बनी है। उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि सुबह ही बदमाशों ने इलाके में दहशत फैला दी। कई गांवों में मशहूर सोखा को सटाकर गोरी मारी। सोखा की हालत नाजुक बताई जा रही है। सिठौली गांव निवासी 42 वर्षीय जड़यन सिंह यादव अधिवक्ता के साथ सोखाई का काम करते हैं। हालांकि उन्हें सोखाई से ही ज्यादा प्रसिद्धि मिली है?। कई गांवों में वो अपने काम के लिए मशहूर हैं। उनके घर पर सोखाई के लिए भीड़ जमा होती है। शुक्रवार की सुबह लगभग 6 बजे घर के पास सुंदर नगर चौराहे पर वे चाय पीने गए थे। तभी दो अज्ञात बाइक सवार लोग आ पहुंचे। चाय पीने के बाद सोखा गांव के ही एक व्यक्ति से बातचीत करते हुए घर की तरफ आ रहे थे। बदमाशों ने उनका पीछा किया और रास्ते में एक बदमाश ने उनसे तमंचा सटाकर पीछे से गोली मार दी। उनकी पीठ में गोली लगी जो शरीर से आर पार हो गई।

गोली लगते ही वे बेहोश होकर गिर गए। यह देख घर के लोगों ने शोर मचाया। शोर मचते ही बदमाश तमंचा लहराते हुए वहां से फरार हो गए। लोगों ने निजी वाहन से उन्हें शहर के प्राइवेट अस्पताल में ले जाकर इलाज के लिए भर्ती करवाया। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। हालांकि डॉक्टरों का कहना था कि उनका बचना मुश्किल है। उसके बाद उन्हें स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों ने सोखा की हालत गंभीर बताई है। घटना की जानकारी होने पर थानाध्यक्ष श्रवण कुमार मय फोर्स मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं।

यूपी में हुई 65 प्रतिशत से कम बारिश

खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता प्रतिकूल असर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मॉनसून आने के लगभग तीन हफ्ते बाद भी राज्य के 75 में से 71 जिलों में कम बारिश होने से खरीफ फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की जानकारी के अनुसार इस साल कुल 75 में से 71 जिलों में एक जून से 15 जुलाई के बीच कम बारिश हुई है। कौशांबी इस साल 98 फीसदी कम बारिश वाला सबसे शुष्क जिला है। कौशांबी और 55 अन्य जिलों को कम बारिश वाले जिलों में चिन्हित किया गया है। इस मॉनसून में अब तक उत्तर प्रदेश में सिर्फ औसतन 77.3 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से 65 फीसदी कम है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में केवल औसतन 77.2 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य 243.5 मिलीमीटर बारिश से 68 प्रतिशत कम है। इसी

तरह, पश्चिम उप्र के जिलों में औसतन 77.5 मिलीमीटर बारिश हुई है जो सामान्य 187.1 मिलीमीटर से 59 प्रतिशत कम है। कम वर्षा के कारण राज्य के गन्ना और धान उत्पादक क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इसका असर खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ने की संभावना है। मऊ के एक किसान भीम सिंह यादव ने कहा कि हमने कम बारिश के कारण आज तक अपनी धान की फसल की रोपाई नहीं की है। मुझे चिंता है कि अगर अगले कुछ दिनों में मॉनसून फिर से शुरू नहीं हुआ तो इस साल मेरे पास धान की फसल नहीं होगी।

13 जुलाई की अद्यतन स्थिति के अनुसार खरीफ अभियान 2022–23 के तहत 96.03 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 42.41 लाख हेक्टेयर भूमि की बुवाई की गई है, जो लक्ष्य का केवल 44.16 प्रतिशत है। इसमें से 45 फीसदी अकेले धान की खेती के कारण होता है। पिछले साल 13 जुलाई तक 53.46 लाख हेक्टेयर जमीन की बुवाई हो चुकी थी। इस सीजन में कम बारिश के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के संबंधित विभागों को सतर्क किया है। योगी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मॉनसून की कमी से खरीफ फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और इसके लिए किसी भी तरह की स्थिति का सामना करने के लिए तैयारी करनी होगी। सीएम ने कहा कि किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके लिए उन्होंने कृषि, सिंचाई, राहत और राजस्व विभाग की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की है।

वाराणसी में डबल मर्डर: हथौड़ी से मारकर हुई मां-बेटी की हत्या, खुद पुलिस कमिश्नर जांच के लिए पहुंचे

वाराणसी। वाराणसी के नरिया में मां–बेटी की हत्या की गुत्थी सुलझाने शुक्रवार को खुद पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश मौके पर पहुंचे। कमिश्नर ने घटनास्थल के साथ ही आसपास के मकानों की छत पर चढ़कर दो घंटे तक छानबीन की। उनके साथ इस दौरान एक्सपर्ट टीम भी थी। इस बीच दोनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ गई है। सिर में गहरी चोट मारकर हत्या की गई थी। मौके से पुलिस ने खून से सनी हथौड़ी भी बरामद की थी।

लंका थाना क्षेत्र के नरिया में प्राथमिक स्कूल के निकट मकान में बुधवार को कमरे में सुनीता पांडेय (58), लॉबी में बेटी दीपिका पांडेय (28) की लाश

मिली थी। छोटे बेटे अंजनी पांडेय की सूचना पर लंका पुलिस पहुंची थी। तीन जुलाई को किसी समय मौत की आशंका है। बड़ा बेटा अखिलेश अधिवक्ता है, दिल्ली हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करता है। वह जानकारी मिलने के तीसरे दिन भी वाराणसी नहीं पहुंचा। पुलिस फिलहाल छोटे बेटे अंजनी पांडेय, मुहल्ले के तीन अन्य से पूछताछ कर चुकी है।

पहले मां फिर बेटी की हत्या हुई

पीएम रिपोर्ट के अनुसार सुनीता को पहले मारा गया। इसके बाद बेटी की हत्या हुई थी। बेटी को बेड से खींचकर गलियारे में मारा गया, क्योंकि दीपिका के हाथों में बेडशीट भी थी। आसपास लगे दो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। मां बेटी के शव का पोस्टमार्टम होने के बाद देर रात तक बड़े बेटे के नहीं पहुंचने पर संकटमोचन चौकी प्रभारी ने हरिश्चंद्र घाट पर मृतक के छोटे बेटे अंजनी से अंतिम संस्कार करवाया। घटना की जानकारी मिलने के 72 घण्टे बाद भी दिल्ली से बड़ा बेटा अखिलेश नहीं पहुंचा। गुरुवार की रात संकटमोचन चौकी प्रभारी के फोन करने पर अपना लोकेशन दिल्ली में बताया।

इसके बाद देर रात दो बजे उसका लोकेशन जांचने पर कन्नौज मिला। इसके बाद से उसका मोबाइल भी बन्द हो गया। बताया जाता है कि नवंबर में छोटे भाई से पुलिसकर्मियों से विवाद होने की सूचना पर बड़ा भाई पुलिस से झगड़ा करने के लिए दो घण्टे में विमान से घर पहुंच गया था। वहीं, बड़े बेटे की पत्नी फोन कर दाहसंस्कार की बातें पूछती रही।

प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर दी जान, एक ही स्कूल के छात्र थे दोनों

गोरखपुर। गोरखपुर में सुथनी गांव के पास बस्ती–गोरखपुर डाउन रेलवे ट्रैक पर प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर कर जान दे दी। प्रेमी युगल खजनी थाना क्षेत्र के एक ही ग्राम के निवासी बताए जा रहे हैं। दोनों एक ही स्कूल के छात्र थे। युवती 12वीं तथा युवक 11वीं में पढ़ रहा था।

मृतकों के सपरिवार के लोगों के पहुंचने के बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, सुथनी गांव के पास बस्ती गोरखपुर डाउन रेलवे ट्रैक पर युवक युवती का शव पड़ा था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक पर एक युवक का भी शव देखा। दोनों शव क्षत विक्षत थे।पास में एक बैग मिला जिसमे युवती का स्कूल ड्रेस था, जबकि युवक पैंट शर्ट पहना हुआ था। बैग में मिले मोबाइल से बात करने पर युवती की पहचान 18 वर्षीय रिंकू मौर्य और 18 वर्षीय अजय चौरसिया के रूप में हुई। दोनों खजनी क्षेत्र में स्थित एक इंटर कॉलेज के छात्र थे और युवती इंटर तथा युवक 11वीं में पढ़ रहा था।

एक ही स्कूल में पढ़ने के दौरान दोनों में प्रेम हो गया था और शादी भी करना चाहते थे लेकिन घर वाले इसके लिए तैयार नहीं थे। युवक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। मां बाप की मौत हो चुकी है, जबकि युवती तीन भाई और तीन बहन में सबसे छोटी थी और पिता खेती कर गुजर बसर करते है।

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष को लामबंद कर रहे केसीआर ने की अखिलेश से बात

लखनऊ/नई दिल्ली। संसद के आगामी मानसून सत्र में मोदी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के लिये विपक्षी दलों को लामबंद करने में जुटे तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विपक्षी दलों के अन्य नेताओं से बात की।

सूत्रों के अनुसार केसीआर ने 18 जुलाई से आहूत संसद के मानसून सत्र में आर्थिक मुद्दों सहित अन्य ज्वलंत मसलों पर सत्तापक्ष को घेरने के लिये विपक्ष की एकजुटता का प्रयास तेज कर दिया है।

इस कड़ी में आज उन्होंने अखिलेश के अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के करीबी सहयोगियों और एनसीपी के शरद पवार सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से बात की।

सपा के सूत्रों ने बताया कि केसीआर से अखिलेश से संसद के दोनों सदनों में विभिन्न मुद्दों पर सरकार को एकजुट होकर घेरने में टीआरएस के सदस्यों का सहयोग करने की अपील की।

वहीं दिल्ली से टीआरएस के सूत्रों ने बताया कि मानसून सत्र के संदर्भ में विपक्ष की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिये केसीआर शनिवार को टीआरएस सांसदों के साथ प्रगति भवन में बैठक करेंगे।

दोपहर 1 बजे होने वाली इस बैठक में टीआरएस के राज्य सभा एवं लोकसभा सांसद हिस्सा लेंगे। बैठक में केसीआर दोनों सदनों में टीआरएस द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीति से पार्टी सांसदों को अवगत करायेंगे।

केसीआर ने अखिलेश सहित विपक्ष के अन्य नेताओं से भी केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संसद में एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया है। वहीं, केसीआर के निर्देशानुसार टीआरएस के सांसद केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना सरकार के साथ किये जा रहे सौतेले व्यवहार का मुद्दा भी संसद के दोनों सदनों में मुखरता से उठायेंगे।

देवबंद को छोड़ सहारनपुर की बाकी चीनी मिलों पर 428 करोड़ रूपए का बकाया

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में देवबंद चीनी मिल को छोड़कर इलाके की बाकी पांच चीनी मिलों पर किसानों के गन्ना मूल्य का 428 करोड़ रुपये का बकाया है। जिला गन्ना अधिकारी डा. आरडी द्विवेदी ने शुक्रवार को बताया कि जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने बजाज ग्रुप की गांगनोली और गागलहेड़ी चीनी मिल के प्रबंधकों को बकाए का भुगतान कराने के लिये सख्त निर्देश दिए हैं। बजाज समूह की गांगनोली चीनी मिल पर 224 करोड़ रुपये बकाया है। गागलहेड़ी चीनी मिल पर 82.60 करोड़ रुपये बकाया है। किसान सहकारी चीनी मिल नानोता पर 53.88 करोड़ रुपये और निगम की सरसावा चीनी मिल पर 34.03 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का बकाया है। शेरमऊ चीनी मिल पर 32.95 करोड़ रुपये बकाया है। डा. द्विवेदी ने बताया कि त्रिवेणी ग्रुप की देवबंद चीनी मिल पूरे प्रदेश में ऐसी चीनी मिल है जो समय से गन्ना मूल्य का भुगतान करती आ रही है।

योगी ने यूपी में कोरोना की निः शुल्क प्रिकॉशन डोज अभियान शुरु किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 18 साल से अधिक उम्र वालों को कोरोना की प्रिकॉशन डोज निशुल्क दिये जाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए इस अभियान का उप्र में शुक्रवार को आगाज किया।

योगी ने इसे 'अमृत डोज' करार देते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष पर प्रिकॉशन डोज का विशेष अभियान भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया है। इसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र लोगों को जिन्होंने कम से कम 06 माह या 26 सप्ताह पूर्व वैक्सीन की दूसरी डोज ले ली है, उन्हें अब प्रिकॉशन डोज 'अमृत डोज' के रूप में नि:शुल्क उपलब्ध करायी जायेगी।

उन्होंने कहा कि 75 दिनों का यह विशेष अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश में 12 करोड़ 08 लाख 21 हजार 597 लोग प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र होंगे। योगी ने यहां डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल)

चिकित्सालय में नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज अभियान के शुभारंभ अवसर पर कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में देश ने सफल अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत के कोविड प्रबन्धन को सर्वत्र सराहा गया है। सर्वाधिक कोविड वैक्सीनेशन की डोज देने वाला भारत दुनिया का एक प्रमुख देश है।

भारत ने जिस प्रभावी ढंग से देश के 135 करोड़ लोगों को वैक्सीन उपलब्ध करायी है, वह दुनिया के लिए बहुत कौतूहल व आश्चर्य का विषय है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में सभी को निशुल्क वैक्सीन मिल रही है। उत्तर प्रदेश आबादी की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। भारत सरकार ने चरणबद्ध ढंग से कोविड वैक्सीनेशन का जो कार्यक्रम घोषित किया, उसे उत्तर प्रदेश में आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है।

यही कारण है कि अब तक प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 104 प्रतिशत लोगों ने वैक्सीन की प्रथम डोज तथा 98.11 प्रतिशत लोगों ने द्वितीय डोज प्राप्त कर ली है। योगी ने इस टीकाकरण अभियान की सफलता का दावा करते हुए प्रदेशवासियों से आजादी के अमृत महोत्सव पर 75 दिनों के प्रिकॉशन डोज का लाभ उठाने की अपील की।

शार्ट न्यूज

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के प्रभाव से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 166 रुपये प्रति दस ग्राम फिसल गया वहीं चांदी में 457 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.41 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1702.42 डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.31 प्रतिशत बढ़कर 1709.70 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 0.96 प्रतिशत की तेजी लेकर 18.56 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 166 रुपये गिरकर 50062 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 148 रुपये उतरकर 50191 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। वहीं, इस बीच चांदी 457 रुपये की बढ़त लेकर 55492 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चांदी मिनी 393 रुपये महंगी होकर 56048 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डेटा केंद्रों की क्षमता पहली तिमाही में 488 मेगावाट बढ़ी

नयी दिल्ली। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहली तिमाही में डेटा केंद्रों की क्षमता 488 मेगावाट बढ़ी, जिससे क्षेत्र में डेटा केंद्रों की कुल क्षमता बढ़कर 8700 मेगावाट हो गयी। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गयी। रियल स्टेट बाजार में अध्यन करने वाली एजेंसी नाइट फ्रैंक ने शुक्रवार डीसी बाइट के साथ साझेदारी में नए डेटा केंद्र की रिपोर्ट जारी की। इसमें सिंगापुर, हांगकांग, सिडनी, शंघाई और टोक्यो के एशिया-प्रशांत डेटा सेंटर केंद्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है और रिपोर्ट को व्यापक दृश्य प्रदान करने के लिए सियोल, मुंबई, बैंकॉक और कुआलालंपुर सहित तेजी से बढ़ रहे बाजारों को शामिल किया है। रिपोर्ट में बताया गया नए डेटा केंद्र के प्रदर्शन से एशिया प्रशांत क्षेत्र में कुल क्षमता 8,700 मेगावाट से अधिक रही। यह वृद्धि अधिकतर टोक्यो, सिडनी और सियोल द्वारा संचालित थी। इसमें सिडनी एक गीगावाट बाजार बनने के लिए एक महत्वपूर्ण सीमा को पार कर गया था। टोक्यो ने एयरट्रंक, कोल्ट और स्टाक इंफ्रास्ट्रक्चर से उच्चतम वृद्धि हासिल की।

पॉलिसीबाजार ने गुरुग्राम में शुरू किए पांच ऑफलाइन स्टोर

गुरुग्राम। ग्राहकों को सरल भाषा में बीमा पॉलिसियों की जानकारी देने के लिए पॉलिसीबाजार ने गुरुग्राम में पांच ब्रिक एंड मोर्टार स्टोर की शुरुआत की है, जहां ग्राहक किसी भी सवाल या सेवाओं को अपने आस-पास की लोकेशन पर सुलझा सकेंगे। पॉलिसीबाजार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह स्टोर अनुभव केंद्रों के रूप में कार्य करेंगे और ग्राहकों को वास्तविक उपस्थिति की सुविधा और पारदर्शिता प्रदान करेंगे। हर स्टोर में तीन प्रबंधन होते हैं जो उन्हें उनकी बीमा यात्रा में मार्गदर्शन करते हैं। स्टोर पर जाने वाले ग्राहकों को खरीदारी का एक सहज अनुभव प्राप्त होगा जो नए और दोबारा लौटने वाले ग्राहकों के लिए ब्रांड की ऑनलाइन सेवा के समान है। इस स्टोर्स की शुरुआत से पॉलिसीबाजार के पूरे भारत में 40 से अधिक ऑफलाइन स्टोर हो गए हैं।

वेतन संशोधन की मांग को लेकर साधारण बीमा कंपनी कर्मचारियों ने की राष्ट्रव्यापी हड़ताल

नयी दिल्ली। जनरल इंश्योरेंस पब्लिक सेक्टर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जिप्सा) के तत्वावधान में सरकारी क्षेत्र की चार बीमा कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने वेतन संशोधन और अन्य मांगों को लेकर शुक्रवार को एक दिन की हड़ताल की। जिप्सा की विज्ञप्ति के अनुसार 50,000 से अधिक हड़ताली अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभर में धरना-प्रदर्शन भी किया। ट्रेड यूनियनों और एसोसिएशन का संयुक्त मंच (उत्तर क्षेत्र) के संयोजक त्रिलोक सिंह ने एक बयान में कहा कि कर्मचारी और अधिकारी एक अगस्त 2017 से लगातार लंबित वेतनमान संशोधन के तत्काल निपटान की मांग कर रहे हैं। वे राष्ट्रीय पेंशन योजना के लिए कंपनी द्वारा योगदान में 14 प्रतिशत की वृद्धि, बिना किसी सीमा के परिवार पेंशन में सुधार, वर्ष 1995 की पेंशन योजना सभी के लिए, पेंशन अद्यतन करने की मांग, निजीकरण का विरोध और सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों के विलय की मांग कर रहे हैं।

ब्लॉकचेन हैकाथॉन बिल्डिंग फ्यूचर की घोषणा

नयी दिल्ली। प्रमुख क्रिप्टो निवेश ऐप कॉइनस्विच एक ब्लॉकचेन हैकाथॉन बिल्डिंग फ्यूचर सिटीज़ का आयोजन कर रहा है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसका मकसद भारत के 1.2 अरब लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं का ब्लॉकचेन-आधारित समाधान खोजना और उसे प्रोत्साहित करना है। इसको सिकोइया इंडिया का भी समर्थन प्राप्त है। कर्नाटक सरकार की पहल स्टार्टअप कर्नाटक और दक्षिणी बेंगलुरू से सांसद तेजस्वी सूर्या के सहयोग से इसका आयोजन किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी, डिजिटल गवर्नेंस और सप्लाई चेन के विषयों पर केंद्रित, बिल्डिंग फ्यूचर सिटीज़ हैकाथॉन का उद्देश्य भारत के अनुरूप और अनुकूलित एक वेब 3 इनोवेशन चक्र की शुरुआत करना है। प्रतिभागियों को स्मार्ट मोबिलिटी, एनर्जी क्रेडिट और ट्रेडिंग, विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन, सुरक्षित डिजिटल पहचान और प्रमाणपत्र प्रबंधन, कुशल और पारदर्शी वैक्सीन वितरण, कृषि आपूर्ति और सप्लाई चेन प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ एक ब्लॉकचेन-संचालित भारत की कल्पना करने का मौका देगा।

भारतीय शिक्षा की पुनः कल्पना

नई दिल्ली। आज भारत लगभग विश्वगुरु बनने की कगार पर खड़ा है। भारत के प्रधानमंत्री,विश्व के पटल पर उच्चतम प्रधानमंत्री के रूप में देखे जाते हैं और वैश्विक समस्याओं में बाईडेन, पुतिन और जैलेंसकी आशामयी निगाहों से उनकी ओर देखते हैं। किसी भी देश के लिए विश्व गुरु बनना काफी हद तक आत्म-गर्व की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा माना जाता है। चूंकि भारत अपने उस गंतव्य को पाने के लिए लगभग बिल्कुल निकट ही है और शिक्षा किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी होती है, इस भावना के साथ आगे बढ़ते हुए जीआईसी (ग्लोबल इंडिया कोलेबोरेटिव) फोरम और कॉलेज विद्या16 जुलाई 2022 को ली मेरिडियन होटल, जनपथ, नई दिल्ली में एक शिक्षा शिखर भारतीय शिक्षा की पुनर्कल्पना सम्मेलन,का आयोजन करने जा रहे हैं जो कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

इस शिखर सम्मेलन भारतीय शिक्षा की पुनर्कल्पना में कई प्रतिष्ठित हस्तियां, जैसे प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, कुलपति, नीति निर्माता, दार्शनिक, विद्वान, सफल व्यवसाय के मालिक आदि,भारतीय शिक्षा की पुनर्कल्पना पर अपने विचार साझा करेंगे। कुछ प्रमुख वक्ता जिसमें श्री फिरोज बख्त अहमद (पूर्व कुलाधिपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद), आईएएस टॉपर, इरा सिंघल, जामिया मिलिया इस्लामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर और पीटीआई के हिंदी सेवा भाषा के संस्थापक, संपादक व विश्व ख्याति प्राप्त स्तंभकार, डॉ वेद प्रताप वैदिक और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जितेंद्र उत्तम आदि शामिल हैं।

इस शिक्षा शिखर सम्मेलन में हम शिक्षा क्षेत्र में चार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए चर्चा करेंगे और रणनीति विकसित करेंगे। वे मुद्दे रोजगारपरकता, प्रेरक जिज्ञासा, कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों का निर्माण, और शिक्षा प्रदान करने में विदेशी हस्तक्षेप से प्रेरित होंगे। हम अपनी शिक्षा प्रणाली में उत्कृष्टता की उस भावना को फिर से विकसित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय में श्वेत पत्र प्रस्तुत करेंगे।

ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को विकसित करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है जो लोगों को एक समावेशी और स्थायी भविष्य में योगदान करने और लाभान्वित करने में सक्षम बनाती है। भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने और चीन से निर्माताओं के एक बड़े हिस्से को दूर करने के लिए तैयार है, हमारे युवाओं को इस जीवन भर के अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार करने की तत्काल आवश्यकता है।

इसके लिए स्कूलों और विश्वविद्यालयों को ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करने की जरूरत है जो ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था से जुड़ा हो। इसके लिए समग्र दृष्टिकोण की जरूरत है। जीआईसी इस क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा

हमें एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत है जहां हम अर्थ, उद्देश्य, रचनात्मकता और संबंध के लिए युवाओं की गहरी जरूरतों को पुरा कर सकें 7 हम क्रिएटिव एम्पावरमेंट मॉडल में व्यक्तियों, स्कूलों और संगठनों को प्रशिक्षित करके ऐसा कर सकते हैं, जो अनुभवात्मक शिक्षा का एक संयोजन हो, जो एक साथ प्रमुख जीवन कौशल को बढ़ावा दे तथा जो युवाओं को तेजी से बदलती दुनिया में बढ़ने में मदद करे।

'जीआईसी' परिचय

जीआईसी मात्र ज़बानी जमा-खर्च में विश्वास नहीं रखती बल्कि ज़मीनी सच्चाई से जुड़ी संस्था है। कम्पनीज एक्ट सेक्शन 8 लाभ शून्य संस्थान तथा नीति आयोग के साथ पैनल में शामिल है।

एक पहल और मंच जो गहरी सोच, पूर्ण निष्ठा और यथार्थ से उपजी परिकल्पना से पूर्ण रूप से प्रेरित होकर भारत को 5 खरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद वाली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए हम 9 क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। ये हैं - उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा, न्याय, पर्यावरण, निस्वार्थ सेवा, महिला सशक्तिकरण, और मीडिया। हम इस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं की हमारे समाज, संस्कृति और व्यापार में सकारात्मक परिवर्तन और प्रभाव आएं, इसके लिए हमारा प्रयास है कि व्यक्ति, विश्व और व्यावसायिक लाभ के बीच उत्तम समन्वय बने।

कॉलेज विद्या परिचय

कॉलेज विद्या भारत का पहला ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो सभी विश्वविद्यालयोंको ऑनलाइन एक मंच पर लाता है। यह हर ऑनलाइन पाठ्यक्रम और इस पाठ्यक्रम को प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय के बारे में निष्पक्ष जानकारी प्रदान करता है। कॉलेज विद्या के ऑनलाइन पोर्टल का उद्देश्य छात्रों को बिना पक्षपात के ऑनलाइन शिक्षा के हर पहलू के बारे में पूरी जानकारी देना है। यह छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय प्राप्त करने की शक्ति देता है।

शंघाई सहयोग संगठन में आपसी सहयोग से औद्योगिक विकास को दे सकते हैं नयी दिशा

नयी दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ मिलकर तथा आपसी सहयोग से हम क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई दिशा दे सकते हैं। श्री पांडे ने यह बयान मेजबान उज्बेकिस्तान में आयोजित एससीओ के सदस्य देशों के उद्योग मंत्रियों की दूसरी बैठक में वर्चुअल तौर पर भाग लेते हुए दिया। संगठन में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान पूर्णकालिक सदस्य राष्ट्र हैं। भारी उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि डॉ. पांडेय ने बैठक के दौरान भारत संगठन में सक्रिय, सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाते रहने की बात पर प्रकाश डाला। उन्होंने पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसरों का पता लगाने के लिए एससीओ के सदस्य देशों के उद्योगपतियों के साथ सहयोग करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। डॉ. पांडेय ने कहा कि एससीओ क्षेत्र के विकास की इसी इच्छा के कारण ही भारत ने इसके सदस्य देशों के उद्योग मंत्रियों के सत्र में व्यापारिक जगत के बीच औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मसौदा कार्यक्रम और प्रदर्शनी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नियम तैयार किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में खनन और उत्खनन, विनिर्माण और निर्माण का हिस्सा अब 28 प्रतिशत है। सरकार ने अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं एवं सुस्त व्यावसायिक प्रक्रियाओं के कारण उत्पन्न लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए औद्योगिक कायाकल्प के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है। देश में औद्योगिक वातावरण में सुधार के लिए श्रम बाजार के लिए अनेक सुधार भी शुरू किए गए हैं।

ईडी ने झारखंड में 37 बैंक खातों से जब्त किए 11.88 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल से संबंधित मनरेगा घोटाले की जांच के सिलसिले में मिले अवैध खनन संबंधित सबूतों के आधार पर आगे कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों के 37 बैंक खातों से 11.88 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। ईडी की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह खाते पंकज मिश्रा, दाहु यादव और उनके सहयोगियों के हैं। यह कार्रवाई धन शोधन निरोधक अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गयी है। इससे पहले ईडी ने 08 जुलाई को झारखंड में साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा ने 19 जगहों पर छापे मारकर आपत्तिजनक दस्तावेज और 5.34 करोड़ रुपये की नगदी जब्त की थी। इस दौरान एजेंसी ने पत्थर तोड़ने की पांच मिलों को भी पकड़ा जो गैर-कानूनी रूप से चलायी जा रही थीं। मौके से पांच अवैध कारतूस मिले। ईडी ने कहा है कि इस कार्रवाई में मिले शाक्ष्यों, डिजिटल एवं कागजी दस्तावेज और विभिन्न व्यक्तियों के बयानों के आधार पर पता लगा है कि बैंकों में रखी गयी रकम गैर-कानूनी कमायी से जुटायी गयी है। शाहिबगंज इलाके में गैर-कानूनी खनन का धंधा जोरो पर हैं। वहां वन क्षेत्र में भी गैर-कानूनी रूप से खनन किया जा रहा था। ईडी का कहना है कि इन तलाशियों में और भी 100 करोड़ की कमायी के सुत्र हाथ लगे हैं। जिनकी जांच की जा रही है। इससे पहले मई 2022 में ईडी ने मनरेगा घोटाले में पीएमएलए, 2002 के तहत 36 स्थानों पर छापे मारकर 19.76 करोड़ रुपये की नगदी जब्त की थी। इनमें आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल और उनसे जुड़े लोगों के ठिकाने शामिल हैं।

मजबूत आर्थिक प्रणालियों के लिए साक्ष्य आधारित नीति बनाने की जरूरत

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि एक मजबूत आर्थिक प्रणालियों के लिए साक्ष्य आधारित नीति बनाने की अति आवश्यकता है। श्रीमती सीतारमण ने इंडोनेशिया के बाली में आयोजित वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की तीसरी जी20 बैठक (एफएमसीबीजी) में यह बात कही। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि की संभावनाएं सार्वजनिक पूंजीगत व्यय कार्यक्रमों पर आधारित है और एक मजबूत आर्थिक प्रणाली के

लिए साक्ष्य आधारित नीति निर्माण बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सतत वैश्विक विकास जलवायु कार्रवाईयों पर केंद्रित होना चाहिए और जलवायु वित्त तथा हरित परिवर्तनों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने जी20 एफएमसीबीजी के दूसरे सत्र में वैश्विक महामारी को लेकर तैयारी तथा प्रतिक्रिया प्रणाली समेत 'जी20 स्वास्थ्य एजेंडा' पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन को केंद्र में रखते हुए वैश्विक समन्वय प्रणाली बनाने पर भी जोर दिश। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य की किसी भी वैश्विक महामारी के खिलाफ तैयारी करने और उससे बचाव करने के लिए सभी प्रयासों में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईडी ने एनएसई की पूर्व एमडी चित्रा रामकृष्ण को किया गिरफ्तार, मुंबई के पूर्व सीपी पर भी केस

नई दिल्ली। ईडी ने एनएसई की पूर्व एमडी और सीईओ चित्रा रामकृष्ण को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने उन्हें चार दिन की ईडी की रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और एनएसई के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ मनी लाउंड्रिंग का केस दर्ज कराया है।

जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है उनमें मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडेय और एक समय में एनएसई के टॉप लेवल की अधिकारी रहीं चित्रा रामकृष्ण और रवि नारायण के नाम हैं। आपको बता दें कि यह केस एनएसई के अफसरों की ओर से गलत तरीके से फोन टैपिंग कराने और स्टॉक एक्सचेंज के कर्मचारियों की जासूसी से जुड़ा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन सभी के खिलाफ पीएमएलए एक्ट के आपराधिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज

कराया है। आपको बता दें कि सीबीआई ने भी आरोपियों के खिलाफ पिछले हफ्ते इससे जुड़े एक मामले में केस दर्ज किया था। आपको बता दें कि इस मामले में सीबीआई ने आरोप लगाया था कि नारायण और रामकृष्ण ने मुंबई सेवानिवृत्त पुलिस आयुक्त संजय पांडे की एक कंपनी को शेयर बाजार के कर्मचारियों के फोन कॉल को अवैध रूप से इंटरसेप्ट करने के काम में लगाया था। पहले सीबीआई और अब ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी संजय पांडेय, उनकी दिल्ली स्थित कंपनी, एनएसई के पूर्व एमडी और सीईओ चित्रा रामकृष्ण, रवि नारायण, कार्यकारी उपाध्यक्ष रवि वाराणसी और एनएसई के प्रेमाइसेज हेड महेश हल्दीपुर को अपने-अपने केस में आरोपित बनाया है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी को गुप्त निगरानी में कथित अनियमितताओं का पता चला जिसके बाद उसने गृह मंत्रालय (गृमं) को इसकी सूचना दी उसके बाद इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी।

सुराना ग्रुप के दो प्रमोटर समेत चार लोगों को भी ईडी ने किया गिरफ्तार

वहीं दूसरी ओर, ईडी ने एक अन्य मामले में चेन्नई के सुराना ग्रुप के दो प्रमोटर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ईडी की ओर से उनकी गिरफ्तारी मनी लाउंड्रिंग से जुड़े 3986 करोड़ रुपये के बैंक लोन फ्रॉड मामले में की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिनेश चंद्र सुराना और विजय राज सुराना जो सुराना इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सुराना पावर लिमिटेड और सुराना कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी और प्रमोटर हैं और पी आनंद और आई प्रभाकरण शेल कंपनियों के डमी निदेशक हैं, उन्हें 12 जुलाई को हिरासत में लिया गया है।

निजी इस्तेमाल के लिए 5जी देना समान अवसर के खिलाफ, अदाणी समूह लगाए कई आरोप

नई दिल्ली। कंपनियों को निजी उपयोग के लिए सरकार की ओर से 5जी नेटवर्क का आवंटन किया जाना सबको समान अवसर दिए जाने के सिद्धांत के खिलाफ है। यह बड़ी टेक (प्रौद्योगिकी) कंपनियों को 5जी सेवाएं एवं समाधान देने को पिछले दरवाजे से प्रवेश देने जैसा मामला होगा।उद्योग संगठन सेल्यूलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा, दूरसंचार सेवा कंपनियों पर लगाए नियामकीय अनुपालन और शुल्क जैसा प्रावधान किए बिना निजी

टेक कंपनियों को 5जी स्पेक्ट्रम देने की तैयारी है। सरकार 26 जुलाई से स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू करेगी।

अदाणी के शामिल होने पर सीओएआई ने उठाया सवाल

सीओएआई का यह बयान स्पेक्ट्रम की नीलामी में अदाणी कंपनी के शामिल होने के बाद आया है। अदाणी समूह 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में शामिल होगा। वह स्पेक्ट्रम का उपयोग अपने कारोबार के लिए निजी नेटवर्क खड़ा करने में करेगा।

कपिल वाधवन ने नियमों का पालन किए बिना बांटे 400 करोड़, सीबीआई ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। यस बैंक-डीएचएफएल केस में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी ने एक और चार्जशीट दाखिल कर दावा किया है कि दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) की मिलीभगत वाले 36,614 करोड़ रुपये में कर्ज देने में नियमों का पालन न करने के तरीके बताए हैं। सीबीआई के मुताबिक, डीएचएफएल के प्रमुख कपिल वाधवन ने धोखाधड़ी मामले में सह-आरोपी संजय छाबड़िया की कंपनियों बिना नियमों का पालन किए 400 करोड़ रुपये का लोन मुहैया कराया। गौरतलब है कि यह यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर और डीएचएफएल के प्रमोटर्स कपिल और धीरज वाधवान के खिलाफ सीबीआई की तीसरी चार्जशीट है। इस सप्लीमेंट्री चार्जशीट में छाबड़िया को सह-आरोपी बनाया गया है। स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने इसी हफ्ते की शुरुआत में इस चार्जशीट का संज्ञान लिया था। इसमें यस बैंक में रहते हुए राणा कपूर की तरफ

से मंजूर किए गए कर्जों और उनके सह-आरोपियों की कंपनियों तक पहुंचने की जानकारी दी गई है। बताया गया है कि जनवरी और मई 2018 के बीच 316 करोड़ और 100 करोड़ रुपये के कर्ज रेडियस एस्टेट एंड डेवलपर्स और रेडियस एस्टेट प्रोजेक्ट्स को दिए गए। यह दोनों ही कंपनियां छाबड़िया की थी। इन कर्जों को कपिल वाधवन की तरफ से मंजूरी दी गई थी।

सीबीआई का कहना है कि वाधवन इन कर्जों की मंजूरी ईमेल के जरिए ही दे देते थे। न ही इसके लिए अप्रेजल और न ही कर्ज प्रक्रिया के नोट्स देखे जाते थे। चार्जशीट में कहा गया है कि कपिल और धीरज वाधवन ने राणा कपूर और संजय राजकुमार छाबड़िया के साथ मिलकर यस बैंक और डीएचएफएल को चूना लगाने की साजिश रची।

18 पैसे की गिरावट के साथ सबसे निचले स्तर पर पहुंचा रुपया, देश में बढ़ेगी महंगाई, आयातकों को होगा घाटा

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में मजबूती के बीच भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को भारतीय रुपये में 18 पैसे की गिरावट हुई। फारेक्स मार्केट में डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 79.9975 पर बंद हुई जबकि थोक मुद्रास्फीति लगातार 15 महीनों से जून तक दोहरे अंकों में रही।

विश्लेषकों ने कहा कि हालांकि, पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से रुपये को राहत मिली है। भारतीय रुपया क्षेत्रीय मुद्राओं के बीच औसत प्रदर्शनकर्ता बन गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने दिन की शुरुआत में मजबूत रुख के साथ 79.71 प्रति डॉलर पर की। कारोबार के दौरान रुपया 79.71 के उच्चतम स्तर तक गया और 79.99 रुपये के निचले स्तर तक आया। आखिर में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ 79.99 प्रति

डॉलर पर बंद हुआ।खनिजों की कीमतों में तेज गिरावट के कारण थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति जून में तीन महीने के निचले स्तर 15.18 प्रतिशत पर आ गई है, लेकिन खाद्य पदार्थों पर महंगाई बढ़ रही है। जून लगातार 15वां महीना है जब थोक महंगाई दर दहाई अंक में रही। पिछले महीने थोक महंगाई दर ने 15.88 फीसदी की रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ था। जून 2021 में थोक महंगाई दर 12.07 फीसदी थी।

इस बीच वित्त मंत्रालय ने कहा है कि महंगा आयात और कमजोर व्यापारिक निर्यात के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत का चालू खाता घाटा बिगड़ने की आशंका है। सीएडी और बढ़ते एफपीआई की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए, जनवरी 2022 से छह महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार में 34 बिलियन अमरीकी डालर की गिरावट आई है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी मुद्रास्फीति 41 साल के उच्च स्तर पर है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण ग्लोबल मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव के बीच डॉलर की मांग बढ़ती जा रही है। युद्ध कारण रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण ही ट्रेडिंग के लिए डॉलर की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे डॉलर 20 साल के सबसे मजबूत स्थिति में पहुंच गया है. इसका सीधा असर रुपये पर भी दिख रहा।

आयातकों को घाटा, निर्यातकों को होगा लाभ

रुपये में गिरावट से आयातकों को नुकसान होगा, जबकि निर्यातकों को फायदा होगा। किसी वस्तु का आयात करने पर हमें डॉलर में ज्यादा रुपया देना होगा। निर्यात में डॉलर के हिसाब से कारोबारियों को ज्यादा रुपया मिलेगा।

आगे भी बना रहेगा दबाव

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के दिलीप परमार ने कहा कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरें बढ़ाने और डॉलर की उच्च मांग से अप्रैल-जून तिमाही में रुपये पर दबाव बढ़ा है। यह गिरावट आगे भी जारी रह सकती है और रुपया 79.10 के पार जा सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई को रुपये की गिरावट को रोकने के तरीके को बदलने की जरूरत हो सकती है, क्योंकि उसका अभी तक का तरीका रुपये की गिरावट को केवल तेज कर रहा है।

असम में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट साथ आए, देंगे दो करोड़ रुपये

नई दिल्ली। वॉलमार्ट फाउंडेशन और फ्लिपकार्ट फाउंडेशन ने गुरुवार को घोषणा की है कि वे दोनों मिलकर असम में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए दो करोड़ रुपये (2,50,000) रुपये का योगदान देंगे। संस्था की ओर से दिए गए फंड्स का इस्तेमाल कर डॉक्टर्स फॉर यू नाम की संस्था बाढ़ से प्रभावित इलाकों में लोगों की मदद करेगी। वॉलमार्ट फाउंडेशन के उपाध्यक्ष और सीईओ जूली गेहर्कि ने कहा है कि हमारी हमदर्दी उन लोगों के साथ है जो असम में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। हम फ्लिपकॉर्ट फाउंडेशन की मदद से बाढ़ से प्रभावित होने वाली आबादी के लिए चलाए जा रहे राहत कार्य में अपना हर संभव योगदान देंगे।

वहीं फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर, रजनीश कुमार ने इस बारे में बताते हुए कहा है

कि असम के लोग बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और हमारा प्रयास है कि हम लोगों को हर जरूरी सहायता देखभाल और करुणा उपलब्ध करवाएं। हम अपने संगठन के सहयोगियों की मदद से बाढ़ से प्रभावित इलाकों में हर जरूरी संसाधन मुहैया कराने की कोशिश करेंगे। आपको बता दें कि देश में असम और कई अन्य राज्यों में बाढ़ की सूचना के बाद फ्लिपकार्ट अपनी सीएसआर कार्यक्रम के तहत गूंज नाम की संस्था के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए फंड्स जुटाने का भी कार्य कर रही है।

शार्ट न्यूज

केंट के लिए काउंटी में खेलेंगे नवदीप सैनी

लंदन। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ नवदीप सैनी ने भी केंट के साथ करार किया है। ऐसे में वह काउंटी क्रिकेट में करार करने वाले इस साल पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले और आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे सैनी ने भारत के लिए पिछली बार 12 महीने पहले श्रीलंका दौरे पर मैच खेला था। सैनी को इंग्लैंड में तीन काउंटी चैंपियनशिप मैच और पांच रॉयल लंदन कप मैच खेलने हैं। सैनी से पहले इस साल चेतेश्वर पुजारा (ससेक्स), वॉशिंगटन सुंदर (लंकाशायर), क्रूणाल पंड्या (वारविकशायर) और उमेश यादव (मिडिलसेक्स) ने काउंटी में करार किए थे। सैनी ने कहा, यह काउंटी क्रिकेट खेलने का अच्छा मौक़ा है और मैं केंट के लिए अपना सबकुछ देने के लिए तैयार रहूंगा। सैनी वारविकशायर के ख़िलाफ़ अगले सप्ताह पदार्पण कर सकते हैं और वह न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ मैट हेनरी के साथ खेलेंगे जो 2018 के बाद दोबारा केंट में लौटे हैं। जॉर्ज लिंडे पर भी केंट की निगाहें थी लेकिन काउंटी में टीमें प्लेयिंग इलेवन में केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को जगह दे सकती हैं। केंट के लिए यह सीज़न ख़राब फ़िटनेस, फ़ॉर्म और सपाट पिचों के कारण अच्छा नहीं रहा है। इस सप्ताह नॉर्थप्टनशायर के ख़िलाफ़ मिली हार के बाद वह इस सीज़न 10 टीमों के डिवीजन वन में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं और पांच मैच अभी बाक़ी हैं।

सिंधु सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में

कलांग (सिंगापुर)। पूर्व विश्व चैंपियन भारत की पीवी सिंधु ने चीन की हान युई पर शुक्रवार को रोमांचक जीत दर्ज करते हुए सिंगापुर ओपन 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सिंधु ने सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में हान को रोमांचक क्वार्टरफाइनल में 17-21, 21-11, 21-19 से पराजित किया। सिंधु का फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की सायना कावाकाई से मुकाबला होगा। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीतकर एक घंटे दो मिनट में मैच समाप्त कर दिया। अन्य भारतीयों को क्वार्टरफाइनल में ही हार का सामना करना पड़ा। सायना नेहवाल को जापान की आया ओहोरी ने एक घंटे तीन मिनट में 21-13, 15-21, 22-20 से पराजित किया जबकि एच एस प्रणय को जापान के कोदई नरोका ने 12-21, 21-14, 21-18 से हराया। पुरुष युगल एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला को 48 मिनट में हार का सामना करना पड़ा।

राजनीतिक संकट के बावजूद श्रीलंका को एशिया कप की सफल मेज़बानी का पूरा भरोसा

कोलम्बो। देश में चल रही व्यापक राजनीतिक अशांति के बावजूद, श्रीलंका अगस्त के अंत में खेले जाने वाले एशिया कप की मेज़बानी के लिए पूरी तरह से आश्वस्त है। छह देशों के एशिया कप के आयोजन स्थल के रूप में श्रीलंका को बरक़रार रखा जाएगा या नहीं, इस पर अंतिम फ़ैसला शुक्रवार को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा लिया जाएगा। हाल ही में सफलतापूर्वक तरीक़े से ऑस्ट्रेलिया की मेज़बानी करने के बाद श्रीलंका क्रिकेट के सचिव मोहन डिसिल्वा ने बताया कि क्रिकेट देश में चल रहे हालातों से पूरी तरह से बचा हुआ है। पिछले महीने से प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के इस्तीफ़े की मांग कर रहे हैं, जिस वजह से दिन प्रति दिन देश में अशांति का माहौल है। ऑस्ट्रेलियाई टीम जून में श्रीलंका आई थी और एक पूरा दौरा खेलकर घर लौटी। अंतिम टेस्ट के दौरान प्रदर्शनकारी पड़ोस के गॉल किले पर प्रदर्शन कर रहे थे। एशिया कप को लेकर डिसिल्वा के आशावादी बने रहने का एक और कारण यह है कि हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ खेलने के लिए पाकिस्तान का दल श्रीलंका पहुंचा है। पाकिस्तानी टीम पहले ही अभ्यास मैच खेल चुकी हैं और पीसीबी ने पुष्टि की है कि टीम बाहर के राजनीतिक संघर्ष से प्रभावित नहीं हुई है।

रोहित शर्मा ने एक बार फिर किया विराट कोहली का समर्थन

लंदन। क्यों हो रहा है यार, मुझे समझ में नहीं आता, भाई। एक पत्रकार द्वारा विराट कोहली पर सवाल उठाए जाने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की यह प्रतिक्रिया थी। पिछले कुछ वर्षों में कोहली का फ़ॉर्म राष्ट्रीय चिंतन का विषय बन गया है। पूर्व कप्तान कपिल देव सहित कई लोगों को आश्चर्य हो रहा है कि उन्हें ड्रॉप क्यों नहीं किया जा रहा है। यह चर्चा जारी रहेगी क्योंकि गुरुवार को कोहली एक और अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए और ऐसी गेंद को खेलने के प्रयास में आउट हुए जिसे छोड़ा जा सकता था। उन्होंने लॉर्ड्स में 16 रन बनाए। पीठ में खिंचाव के कारण पहले वनडे से बाहर रहने के बाद कोहली ने मैच से पहले बल्लेबाज़ी के अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। सहज महसूस करने के बाद उन्होंने राहुल द्रविड़ को इशारा किया कि वह खेलने के लिए तैयार हैं। हालांकि उनके मन में कई बातें चल रही होंगी। लॉर्ड्स में भारतीय टीम के आगमन से एक घंटा पहले बीसीसीआई ने वेस्टइंडीज़ दौरे पर होने वाली टी20 सीरीज़ के लिए टीम इंडिया की घोषणा की जिसमें उनका नाम नहीं था। यह नहीं साफ़ किया गया कि कोहली को आराम दिया गया है या उन्हें ड्रॉप किया गया है। कोहली तीसरे ओवर में क्रीज़ पर आए। स्ट्रेट ड्राइव के चौके के साथ उन्होंने अपना खाता खोला। फ़ुल गेंद का आभास करते हुए उन्होंने पैर आगे बढ़ाया और बल्ले का पूरा चेहरा दिखाते हुए गेंद को सीमा रेखा की ओर भेजा। पिछली सात गेंदों में उन्होंने लेग बाई के एक रन के अलावा एक मेडन ओवर खेला था। डेविड विली के उस ओवर की पहली गेंद पर कोहली ऑफ़ स्टंप से बाहर जा रही गेंद को शरीर से दूर खेलने चले गए और बाहरी किनारे पर बीट हुए। हालांकि थोड़ी देर बाद उन्होंने ठीस उसी गेंदबाज़ की वैसी ही गेंद पर अपनी ग़लती दोहराई और कैच आउट हो गए।

डोपिंग टेस्ट में फ़ेल होने पर बांग्लादेश के शोहिदुल इस्लाम पर लगा दस महीने का प्रतिबंध

दुबई। आईसीसी ने इस साल मार्च में डोप टेस्ट में फ़ेल होने पर बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ शोहिदुल इस्लाम पर दस महीने का प्रतिबंध लगा दिया है। शोहिदुल ने स्वीकार किया कि उन्होंने आईसीसी के डोपिंग रोधी संहिता के अनुच्छेद 2.1 का उल्लंघन किया था। उन्होंने निलंबन भी स्वीकार कर लिया है। उनकी सज़ा अगले साल 28 मार्च को ख़त्म होगी। 28 मई को उन्होंने स्वैच्छिक अस्थायी निलंबन को स्वीकार किया था। आईसीसी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, शोहिदुल ने चार मार्च को ढाका में यूरिन (मूत्र) का सैंपल दिया था। सैंपल में क्लोमीफ़ीन था, जो गवर्निंग बॉडी के अनुसार वाडा की वर्जित सूची के तहत एक निर्दिष्ट पदार्थ के रूप में वर्गीकृत एक पदार्थ है। पता चला है कि शोहिदुल ने इस साल की शुरुआत में जो दवा ली थी, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया था, जिसे उनके अपने डॉक्टर ने बताया था।फ़ैसला लेने में आईसीसी ने माना कि शोहिदुल ने कोई महत्वपूर्ण दोष या लापरवाही नहीं दिखाई थी, अनजाने में वर्जित पदार्थ को निगल लिया था जो एक दवा में निहित था, जिसे वैध रूप से चिकित्सीय कारणों के लिए निर्धारित किया गया था।

अल्टीमेट खो खो सीजन-1 के प्लेयर ड्राफ्ट में चुने गए 143 खिलाड़ी

पुणे। खो-खो का खेल एक नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है क्योंकि पुणे में अगले महीने शुरू हो रहे अल्टीमेट खो-खो के उद्घाटन संस्करण के लिए गुरुवार को भारत के कुल 143 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को छह फ्रेंचाइजी टीमों द्वारा चुना गया। भारत की पहली फ्रेंचाइजी आधारित खो-खो लीग, जिसे खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से डाबर इंडिया के अध्यक्ष अमित बर्मन प्रमोट कर रहे हैं, 14 अगस्त से 4 सितंबर तक यहां बालेवाड़ी स्टेडियम में खेली जाएगी।28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 240 पंजीकृत खिलाड़ी ड्राफ्ट प्रक्रिया का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके प्रदर्शन, हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप और लीग द्वारा आयोजित मूल्यांकन के अनुसार, उन्हें चार श्रेणियों- ए, बी, सी और डी में विभाजित

फ़ॉर्म वापस पाने के लिए कोहली को तरीक़े तलाशने होंगे: गांगुली

लंदन। भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि विराट कोहली को फिर से रन बनाने के लिए अपना फ़ॉर्म ढूंढना होगा जबकि भारत के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ आशीष नेहरा को लगता है कि नए सिरे से वापसी करने के लिए ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है।

कोहली को पहले ही वेस्टइंडीज़ में वनडे और टी20 सीरीज़ से आराम दिया जा चुका है, जिसका मतलब है कि वह लगभग एक महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। गांगुली ने कहा, हां, उसके लिए कठिन समय रहा है और वह यह जानता है। वह ख़ुद एक महान खिलाड़ी रहा है। वह ख़ुद अपने मानकों को जानता है और उसके अनुरुप प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। मैं उसे वापसी पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए देख रहा हूं, लेकिन उसे अपना फ़ॉर्म ढूंढना होगा और सफल होना होगा, जो वह पिछले 12-13 साल या उससे ज़्यादा समय से करता आया है और ऐसा केवल विराट कोहली ही कर सकता है।

ये चीज़ें खेल में होंगी। यह सबके साथ हुआ है। यह सचिन (तेंदुलकर) के साथ हुआ है, यह राहुल (द्रविड़) के साथ हुआ है, यह मेरे साथ हुआ है, यह कोहली के साथ हुआ है। यह भविष्य के खिलाड़ियों के साथ भी होगा। यह खेल का हिस्सा है और मुझे लगता है एक खिलाड़ी के तौर पर बस ज़रूरी है - सुनिए, यह क्या है इससे जानकार रहिए और जाइए अपने अंदाज़ में खेलिए।

कोहली पिछले कुछ वर्षों से क्रिकेट के सभी प्रारूपों में एक ख़राब दौर से गुज़र रहे हैं। उनका आख़िरी अंतर्राष्ट्रीय शतक 2019 में आया था। आईपीएल में साधारण प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस महीने की शुरुआत में हुए एजबेस्टन टेस्ट में 11 और 20 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड के ख़िलाफ़ दूसरे और तीसरे टी20 में उन्होंने 1 और 11 रन बनाए। कमर में खिंचाव के कारण वह पहले वनडे से बाहर रहे और गुरुवार को दूसरे मैच में भी वह सस्ते में आउट हो गए।

हाल ही में भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने भारत की टी20 एकादश में कोहली की जगह पर सवाल उठाए थे, विशेष रूप से कई इन-फ़ॉर्म खिलाड़ी टीम में जगह पाने के लिए जूझ रहे थे। नेहरा ने कहा कि कोहली को इस तरह की चर्चाओं को अपने दिमाग़ से बाहर रखना चाहिए और केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।

नेहरा ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क से वर्चुअल बातचीत में कहा, जब आप प्रदर्शन नहीं कर रहे होते हैं, तब चर्चा होगी, भले ही आप कोहली के स्तर के खिलाड़ी न हों। जब आप प्रसारण, अख़बार के लिए काम कर रहे होते हैं, तो यह हर दिन छप रहा होता है और जब आप खेल रहे होते हैं, तो आप अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं और ड्रेसिंग रूम के बाहर के लोगों की तथाकथित बाहरी आवाज़ों को नहीं सुनते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आप ड्रेसिंग रूम में कैसे हैं और आपके टीम के साथी, प्रबंधन और चयनकर्ता आपका समर्थन कैसे कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं विराट जैसे खिलाड़ी की। हां, यह कहीं नहीं लिखा है कि विराट कोहली रन न बनाने पर भी भारत के लिए खेलते रहेंगे। ऐसा नहीं होगा लेकिन जब आपने अतीत में इतना कुछ किया है, तो आपको हमेशा अतिरिक्त मौक़े मिलेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए दक्षिण अफ़्रीका ने घोषित की अपनी टीम

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ़्रीका की नियमित कप्तान डैन वान निकेर्क राष्ट्रमंडल खेलों के लिए समय पर टखने की चोट से उबरने में विफल रहने के कारण एक दूसरे बड़े टूर्नामेंट में खेलने से चूक जाएंगी। जनवरी में अपने नए घर में फिसलने और गिरने के बाद वान निकेर्क का टखना टूट गया था, जिससे वह वनडे विश्व कप से बाहर हो गई थीं। हालांकि उन्होंने मई में वापस ट्रेनिंग करना शुरू कर दिया था। उन्होंने अभी तक पूरी फ़िटनेस हासिल नहीं की है और आख़िरी बार नवंबर 2021 में बीबीएल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेली थी।

वान निकेर्क की अनुपस्थिति में सुने लूस कप्तानी करना जारी रखेंगी। आयरलैंड के ख़िलाफ़ टीम से बाहर रहीं अनुभवी खिलाड़ी मिनॉन डुप्री वापसी कर रही हैं। मसाबाटा क्लास भी वापसी कर रही हैं, जो मार्च में हुए वनडे विश्व में कंधे में चोट लगने के बाद से नहीं खेली हैं। क्लास, साउथ अफ़्रीका की फ़ुल स्ट्रेंथ गेंदबाज़ी आक्रमण को पूरा करेंगी, जिसकी अगुवाई मरीज़ान काप और शबनम इस्माइल करेंगी।

दक्षिण अफ़्रीका की टीम में एक फ़्रंटलाइन स्पिनर के तौर पर नोनकुलुलेको म्लाबा हैं, जिन्हें लूस और ट्राइऑन सहयोग करेंगी। साथ ही दो विकेट कीपर विकल्प हैं, तृषा चेट्टी और सिनालो जाफ़्टा। इस महीने की शुरुआत में लिज़ेल ली के अचानक संन्यास लेने से अन्नेका बॉश के लिए शीर्ष क्रम में अपने रोल को मज़बूत करने का अवसर मिल गया है।

महिला क्रिकेट इस महीने के अंत में बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करेगी। दक्षिण अफ़्रीका को न्यूज़ीलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के साथ ग्रुप में रखा गया है। ग्रुप से दो टीमें सेमीफ़ाइनल में प्रवेश करेंगी।

दक्षिण अफ़्रीका टीम: अन्नेका बोश, तृषा चेट्टी, नडीन डी क्लर्क, लारा गुडॉल, सिनालो जाफ़्टा, मरीज़ान काप, अयाबोंगा खाका, मासाबाटा क्लास, सुने लूस (कप्तान), नोनकुलुलेको म्लाबा, टुमी सेखुखुने, शबनिम इस्माइल, क्लोई ट्राइऑन, मिनॉन डुप्री, लॉरा वुलफ़ॉर्ट।

टीम ने ओवल में मिली हार के बाद लॉर्ड्स में बढ़िया वापसी की

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का मानना है कि इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी अब भी उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर रही है लेकिन कप्तान लॉर्ड्स में टीम के दिखाए गए जज़्बे और सकारात्मकता से प्रसन्न हैं। इंग्लैंड ने एक चुनौतीपूर्ण पिच पर रीस टॉप्ली के छह विकेटों की मदद से 246 के स्कोर का सफल बचाव किया।

इंग्लैंड की 100 रनों की जीत से 48 घंटे पहले कप्तान ने कहा था कि वह दो प्रतिस्पर्धियों वाली दौड़ में तीसरे स्थान पर आए थे। ओवल मैदान पर इंग्लैंड को 10 विकेटों से हार झेलनी पड़ी थी।

साथ ही भारत की दमदार बल्लेबाज़ी को देखते हुए ऐसा लग रहा था कि टी20 सीरीज़ की तरह वनडे सीरीज़ भी मेहमान टीम के पक्ष में जाएगी जब उन्होंने 148 रनों के भीतर इंग्लैंड के छह विकेट झटके थे।

हालांकि इस बार पहले बल्लेबाज़ी करते हुए मोईन अली और डेविड विली ने क्रमश: 47 और 41 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेली और टीम को 241 के ऐतिहासिक स्कोर से आगे पहुंचाया। तीन साल पहले इसी मैदान पर इसी दिन इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड के साथ विश्व कप का फ़ाइनल टाई किया था। बटलर ने कहा, हम लॉर्ड्स पर क्रिकेट खेलते रहते हैं और यह कभी भी बल्लेबाज़ी के लिए बेहतरीन पिच नहीं रही है। इसमें कुछ ना कुछ हरकत होती है। यह विश्व कप के फ़ाइनल वाली पिच की तरह थी जो सरल नहीं थी और जिससे रोमांचक मुक़ाबले देखने को मिलते हैं।

उन्होंने आगे कहा, एक लेंथ को पकड़कर रखने पर रन बनाना कठिन था। आपको लग रहा था कि आप बल्ले को बीट करते हुए विकेट निकालेंगे। यह वनडे क्रिकेट की अलग शैली थी जो हम हालिया वर्षों में इंग्लैंड में देखने के अधीन नहीं थे। हमने कुछ बेहतरीन पिचों पर मैच खेले हैं जहां बड़े रन बने हैं।

कुछ हफ़्तों पहले ही इंग्लैंड ने नीदरलैंड्स के विरुद्ध 498 पर 4 का सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर का रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि वनडे क्रिकेट के नंबर एक गेंदबाज़ के नेतृत्व वाले गेंदबाज़ी क्रम का सामना करना एक अलग ही चुनौती है और बटलर प्रसन्न हैं कि टीम ने ओवल में मिली हार के बाद बढ़िया वापसी की जहां बुमराह ने छह विकेट निकाले थे।

बटलर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने (ओवल में) ख़राब बल्लेबाज़ी की थी। वह बढ़िया गेंदबाज़ी थी जिसने बाहरी और अंदरूनी किनारे निकाले और विकेट के पीछे अद्भुत कैच भी लपके गए। विकेट भी आसान नहीं थी लेकिन यही तो चुनौती है।

वनडे क्रिकेट में हम सपाट पिचों के आदी हो चुके हैं जहां बल्लेबाज़ हावी होते हैं। मुझे लगता है कि इन पिचों के कारण हमने क्रिकेट के दो अलग अंदाज़ों को देखा।

उन्होंने कहा, आज हमने बल्ले के साथ जो सकारात्मकता दिखाई, उस ही के चलते हम इस स्कोर तक पहुंच पाए। हम बेहतर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं लेकिन सुरक्षित होकर गेंदबाज़ों को हमपर दबाव बनाने के मौक़े देने की बजाय हम सकारात्मक थे और हमने अपने शॉट लगाए जिसने थोड़े और रन हमारे खाते में जोड़ दिए।

इंग्लैंड कप्तान का कहना है, एक टीम के तौर पर हमने बल्लेबाज़ी के दौरान सकारात्मक रहने का प्रयास किया है। हम और रन बना सकते थे लेकिन हम जानते हैं कि उस बल्लेबाज़ी क्रम में कितना अनुभव है और मुझे क्रीज़ पर रहने वाले हर एक व्यक्ति पर पूरा भरोसा है कि वह सही निर्णय लेगा और पूरा ड्रेसिंग रूम हमेशा उसका समर्थन करेगा।

बटलर को लगता है कि ऑलराउंडरों का होना उनकी टीम का एक मज़बूत पक्ष है। साथ ही उनके पास ऐसे गेंदबाज़ हैं जो बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। बल्लेबाज़ी में गहराई होने के कारण उनके बल्लेबाज़ खुलकर खेल सकते हैं।

उन्होंने कहा, पहली पारी की समाप्ति पर हमें लगा कि हमने कम रन बनाए। हालांकि हम जानते थे कि शुरुआत में विकेट लेकर हम मैच में बने रह सकते हैं। हमने बेहतरीन गेंदबाज़ी की, गेंदबाज़ों ने बढ़िया शुरुआत की और सभी ने उसे आगे बढ़ाया।

इमरान खान के खिलाफ चलेगा देशद्रोह? शहबाज कैबिनेट ने कमेटी के गठन को दी मंजूरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद अब उनके खिलाफ देशद्रोह लगाने की तैयारी चल रही है। इस संबंध में पाकिस्तान की संघीय कैबिनेट ने शुक्रवार को उस समिति के गठन को मंजूरी दे दी है जो यह विचार करेगी कि इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई के टॉप नेताओं के खिलाफ अनुच्छेद 6 के तहत देशद्रोह की कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए या नहीं। कैबिनेट बैठक के बाद सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि कानून मंत्री आजम नजीर तरार के अंडर में एक समिति के गठन को मंजूरी दी गई है।

जीओ न्यूज के मुताबिक, सूचना मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट ने तत्कालीन नेशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी की ओर से इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर फैसले से संबंधित एक स्वतः संज्ञान मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया गया।

इमरान के दावों की सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दी थी हवा

दरअसल, 3 अप्रैल को इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान शुरू होने से पहले सूरी ने वोटों को असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था और प्रस्ताव के पीछे विदेशी ताकत होने के आरोपों का समर्थन किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की पीटीआई के विदेशी साजिश के दावों को हवा निकाल दी और आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अदालतें सबूतों पर फैसला देती हैं, अटकलों पर नहीं। अदालत ने इस मामले में कोई भी जांच का आदेश देने से भी इनकार कर दिया था।

तैय्याबा गुल मामले में आयोग का गठन

औरंगजेब ने कहा कि तैय्याबा गुल मामले में भी जांच के लिए एक आयोग का गठन किया गया है। तैय्याबा गुल के बारे में बताते हुए औरंगजेब ने कहा कि उनकी ओर से दावा किया गया है कि उन्हें इमरान खान के कार्यकाल के दौरान लगभग 20 दिनों तक प्रधानमंत्री आवास में रहने के लिए कहा गया था।

शिकायत निवारण के बजाय पीएमओ में महिला को किया कैद

सूचना मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री कार्यालय ने तैय्याबा गुल से संपर्क किया तो उन्होंने बताया है कि उनका अपहरण कर लिया गया था और उन्हें 18 दिनों तक पीएम आवास में बंदी बनाकर रखा गया था। उन्होंने आगे कहा कि गुल ने पीएम के पोर्टल पर शिकायत की थी, लेकिन यौन उत्पीड़न और यौन शोषण से संबंधित उसकी शिकायतों को सुनने के बजाय, महिला को पीएम के घर पर बुलाया गया और बंदी बना लिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से इमरान नाखुश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सत्तारुढ़ नेशनल एसम्बेली के उपाध्यक्ष पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय को दिल दहलाने वाला बताया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्री खान ने कहा कि पत्र को संघीय कैबिनेट और राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सामने रखने के बावजूद इसकी जांच नहीं की गई थी। प्रधानमंत्री पद से अविश्वास प्रस्ताव से हटाए गए श्री खान ने दावा किया कि अमेरिका के दूत डोनाल्ड लू के पाकिस्तानी राजदूत को लिखे पत्र के बाद यह अभियान चलाया, जिसमें मुझे पद से हटाने या फिर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया था। डेरा गाजी खान में रैली को संबोधित करते हुए श्री खान ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि पत्र की जांच नहीं हुई है जबकि मैंने पत्र को संघीय कैबिनेट और राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सामने रखा था । इसे राष्ट्रपति और न्यायपालिका को एक आयोग गठित करने के लिए भेजा था।

हीथ्रो एयरपोर्ट ने क्यों लागू किए कड़े प्रतिबंध? भारत-लंदन फ्लाइट पर पड़ेगा भारी असर

लंदन। वर्जिन अटलांटिक एयरलाइन ने गुरुवार को अपनी दिल्ली-लंदन फ्लाइट रद्द कर दी। कई और एयरलाइंस भी इस तरह का कदम उठा सकती हैं। दरअसल लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे ने कर्मचारियों की कमी से निपटने के लिए कुछ प्रतिबंध लागू किए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हीथ्रो हवाई अड्डे ने कर्मचारियों की कमी से निपटने के लिए यात्रियों की संख्या को एक लाख प्रतिदिन तक सीमित करने का फैसला किया है। भारत और हीथ्रो हवाई अड्डे के बीच एक सप्ताह में 102 सीधी उड़ानें हैं। इनमें ब्रिटिश एयरवेज (41), वर्जिन अटलांटिक (21), एयर इंडिया (33) और विस्तारा (7) की उड़ानें शामिल हैं।

वर्जिन अटलांटिक ने एक बयान में कहा, गुरुवार 14 जुलाई को हीथ्रो हवाई अड्डे द्वारा सभी एयरलाइनों पर यात्रियों की क्षमता को लेकर कुछ प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इसके कारण, हमें खेद के साथ लंदन हीथ्रो-न्यूयॉर्क (जेएफके) वापसी सेवाओं में से एक को रद्द करना पड़ा है। इसके अलावा हमारी सुबह की दिल्ली के लिए जाने वाली फ्लाइट संख्या वीएस302 को भी रद्द करना पड़ा है। इसमें कहा गया है कि एयरलाइन प्रभावित ग्राहकों से संपर्क कर रही है और बाद की तारीख में फिर से टिकट बुक करने या उनके पैसे वापस करने के विकल्प दे रही है। इसके अलावा उन्हें उसी दिन एक दूसरी फ्लाइट पर फिर से टिकट बुक करने की अनुमति देगी। हीथ्रो हवाईअड्डे द्वारा लगाई गई यात्री संख्या की सीमा 12 जुलाई से 11 सितंबर तक रहेगी। विमानन उद्योग के एक सूत्र के अनुसार, ब्रिटिश एयरवेज और एयर इंडिया की फ्लाइट भी कैंसिल या रीशेड्यूल हो सकती हैं। हाल ही में अमीरात एयरलाइन ने यात्रियों की भीड़ को संभालने में अक्षमता के लिए दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक, हीथ्रो एयरपोर्ट पर जम कर निशाना साधा था। हीथ्रो, अन्य हवाई अड्डों की तरह यात्रियों की संख्या में उछाल का सामना कर रहा है। दो साल से महामारी के चलते प्रतिबंधों और कर्मचारियों की कटौती के बाद यात्रियों की संख्या में इस साल काफी उछाल आया है। हीथ्रो हवाईअड्डे ने मंगलवार को कहा था कि वह 11 सितंबर तक दैनिक यात्रियों की संख्या एक लाख तक सीमित कर देगा।

थाईलैंड में सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

बैंकाक। थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत सोंगखला में एक सैन्य हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें जनरल समेत सात जवान घायल हो गए। हेलीकॉप्टर थाईलैंड बल के कमांडर को ले जा रहा था। थाई रातो अखबार के अनुसार यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9:30 बजे हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब पायलट अज्ञात कारणों से आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतारने की कोशिश कर रहा था। हेलीकॉप्टर रबर के एक बागान में पेड़ों से टकराने के बाद एक बंदरगाह में गिर गया। जिससे जिले के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल क्रियांगक्राई श्रीराक सहित सात लोग घायल हो गए। अखबार के मुताबिक बचाव दल के पहुंचने तक सभी यात्री होश में थे, लिन एक सैनिक हेलीकॉप्टर के अंदर फंसा हुआ था। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। थाई रात के अनुसार श्री श्रीराक को कूल्हे पर चोट आयी है लेकिन उनके जीवन को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बाइडेन सउदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सउदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से कड़े विरोध के बावजूद मुलाकात करेंगे। बीबीसी ने यह जानकारी शुक्रवार को दी। श्री बाइडेन की यह बैठक सऊदी अरब जाने से पहले शुक्रवार को वेस्ट बैंक के कब्जे में उनकी फिलिस्तीनी नेताओं से मुलाकात के बाद होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति प्रिंस और उनके पिता किंग सलमान दोनों से मिलेंगे। राजनीतिज्ञ विश्लेषकों का मानना है कि ट्रम्प प्रशासन के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई रूकावट के बाद फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और श्री बाइडेन के बीच बैठक तनावपूर्ण होने की आशंका है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका और सऊदी अरब के रिश्ते काफी अच्छे थे। लेकिन श्री बाइडेन के आने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में काफी खटास आ गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यमन युद्ध में उनकी तरफ से सऊदी अरब को दिया जाने वाला सहयोग वापस ले लिया था। उन्होंने एक तरह से मध्य पूर्व क्षेत्र का जिक्र करना ही बंद कर दिया, ऐसा लगा मानो अमेरिका की तस्वीर क्षेत्र से धुंधली होती जा रही है। इसके अलावा श्री बाइडेन ने लगातार एमबीएस को लेकर उल जलूल बयान दिए। ऐसी भी रिपोर्ट्स आईं, जिनमें कहा गया कि जमाल खशोगी को मारने का आदेश एमबीएस ने ही दिया था। प्रिंस ने हालांकि हत्या में किसी का हाथ होने से इनकार किया, लेकिन अमेरिका की खुफिया एजेंसी ने निष्कर्ष निकाला कि उन्होंने इसकी मंजूरी दी थी। दोनों देश के शीर्ष नेताओं के बीच ऊर्जा आपूर्ति, मानवाधिकार और सुरक्षा सहयोग विषय पर चर्चा होगी।

अमेरिकी संसद में प्रतिबंधों से भारत को विशेष छूट देने वाला विधेयक पारित

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने एस -400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शन्स एक्ट (सीएएटीएसए) प्रतिबंध में भारत को विशेष छूट दिलाने वाले संशोधित विधेयक को पारित किया है। अमेरिका ने रूस से एस- 400 मिसाइल प्रणाली को खरीदने को लेकर भारत के खिलाफ काट्सा एक्ट लागू किया था। भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी रो खन्ना द्वारा लिखित और पेश किए गए संशोधन विधेयक को प्रतिनिधि सभा ने भारी बहुमत से पारित कर दिया। संशोधन विधेयक के पक्ष में 330 वोट पड़े, जबकि 99 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया। राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून (एनडीएए) पर सदन में चर्चा के दौरान गुरुवार को ध्वनि मत से संशोधित इस विधेयक पारित कर दिया गया। इसका मकसद भारत को काट्सा में छूट प्रदान करना है। श्री खन्ना ने कहा, ''अमेरिका को चीन के बढ़ते आक्रामक रूख के मद्देनजर भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत कॉकस के उपाध्यक्ष के तौर पर मैं हमारे देशों के बीच भागीदारी को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहा हूं ताकि भारत-चीन सीमा पर भारत अपनी रक्षा कर सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।
लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।
कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।
एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।
उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।
मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।
एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।
जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।
एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।
जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।
जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।
जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?
मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।
इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

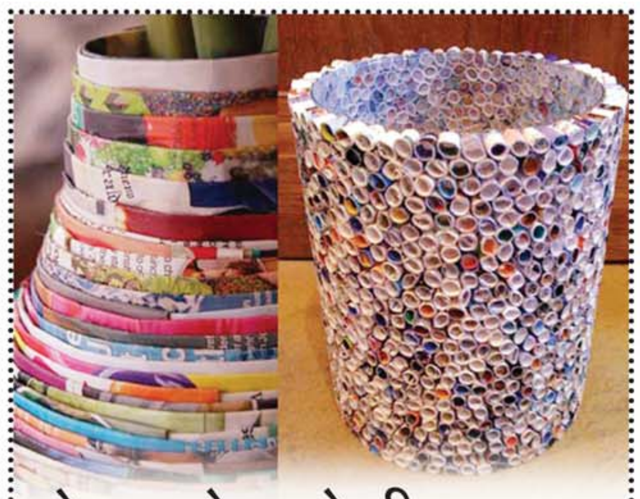

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।
जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

CMYK CMYK CMYK CMYK